रोहतक
सोमवार, 21 अप्रैल, 2025
वैशाख मास कृष्ण पक्ष,
अष्टमी वर्ष : 29, अंक : 80
पृष्ठ 12 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 42.4
न्यून. 19.6

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

05 'फिरकी' और तूफानी बल्लेबाजी से हारे किंग्स, घर से बाहर बेंगलुरु की 5वीं जीत

आईपीएल में आज

कोलकाता V/S गुजरात
- : समय :-
7.30 PM
- : स्थान :-
कोलकाता

खबर संक्षेप

मोदी आज लोक सेवकों को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को लोक सेवा दिवस के अवसर पर लोक सेवकों को संबोधित करेंगे। कार्मिक मंत्रालय द्वारा एक बयान में कहा गया कि मोदी जिलों और केंद्र/राज्य सरकारों में चिह्नित प्राथमिकता कार्यक्रमों और नवाचार के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार भी प्रदान करेंगे। *एजेंसी*

चीता 'प्रभाष' और पावक' को मिला नया घर

भोपाल। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में दो साल पहले स्थानांतरित किए गए दक्षिण अफ्रीका के दो चीतों 'प्रभाष' और 'पावक' को रविवार को तब नया ठिकाना मिला, जब मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उन्हें गांधी सागर अभयारण्य में छोड़ दिया। मूल रूप से फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका के वाटरबर्ग बायोस्फीयर रिजर्व से कूनो राष्ट्रीय उद्यान में लाए गए ये छह वर्षीय नर चीते सड़क मार्ग के जरिए गांधी सागर अभयारण्य लाए गए। अभयारण्य नीमच और मंदसौर जिलों में फैला हुआ है। *एजेंसी*

इलिनॉइस में छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, 4 की मौत

ट्रिला। अमेरिका के इलिनॉइस राज्य में खेत में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। कोल्स काउंटी के कोरोनर एड शनीयर्स ने बताया कि मृतकों में दो पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने जानकारी दी कि दुर्घटना सुबह करीब 10 बजे हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, 'सेसना सी80जी' विमान बिजली के तारों से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हुआ। *एजेंसी*

खड़े इंडिगो विमान से टकराया टेंपो ट्रैवलर

बेंगलुरु। बेंगलुरु एयरपोर्ट में एक टेंपो ट्रैवलर ने एक इंडिगो विमान को टक्कर मार दी। इस हादसे में ट्रैवलर के चालक को मामूली चोटें आईं हैं। इंडिगो के बयान में कहा गया है कि चालक की लापरवाही के कारण टेंपो ट्रैवलर विमान से टकराया और मामले की जांच की जा रही है। *एजेंसी*

मोदी और अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस के बीच वार्ता आज

व्यापार, जवाबी शुल्क, क्षेत्रीय सुरक्षा सहित द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर रहेगा जोर

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस के साथ व्यापार, शुल्क, क्षेत्रीय सुरक्षा और समग्र द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों सहित कई प्रमुख मुद्दों पर सोमवार को बातचीत करेंगे और फिर शाम को उनके एवं भारतीय मूल की उनकी पत्नी उषा के लिए रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति, उनकी पत्नी उषा और उनके तीन बच्चे - इवान, विवेक और मीराबेल चार दिवसीय भारत यात्रा के तहत सोमवार पूर्वाह्न 10 बजे पालम एयरबेस पर उतरेंगे। वेंस ऐसे समय में भारत की अपनी पहली यात्रा करेंगे जब कुछ सप्ताह पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत सहित लगभग 60 देशों के खिलाफ व्यापक शुल्क व्यवस्था लागू करने के बाद उसे स्थगित कर दिया था। भारत और अमेरिका अब द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत कर रहे हैं, जिसमें शुल्क और बाजार तक पहुंच सहित कई मुद्दों को शामिल किए जाने की संभावना है।

मुलाकात
- सुबह 10 बजे पालम एयरबेस पर उतरेंगे
- डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क से 90 दिन की राहत के बीच हो रही यह वार्ता महत्वपूर्ण
- अक्षरधाम मंदिर भी जाएंगे वेंस, रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे पीएम मोदी

(फाइल फोटो)

पालम एयरबेस पर होगा स्वागत : अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पहुंचने के कुछ घंटों बाद वेंस और उनका परिवार स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर जाएगा तथा वे पारंपरिक भारतीय हस्तनिर्मित सामान बेचने वाले एक 'शॉपिंग कॉम्प्लेक्स' भी जा सकते हैं। वेंस के भारत आगमन पर केंद्र का कोई वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री पालम एयरबेस पर उनका स्वागत करेगा। वेंस अपने परिवार के साथ दिल्ली के अलावा जयपुर और आगरा की भी यात्रा करेंगे।

पांच वरिष्ठ अधिकारी आएंगे

इस मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय एवं विदेश मंत्रालय के अधिकारियों सहित कम से कम पांच वरिष्ठ अधिकारियों के वेंस के साथ भारत आने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को शाम साढ़े छह बजे अपने 7 लोक कल्याण मार्ग निवास पर वेंस और उनके परिवार का स्वागत करेंगे जिसके बाद आधिकारिक वार्ता होगी। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार संधि साथ-साथ दोनों देशों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के तरीके पर चर्चा होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिसरी और अमेरिका में भारत के बैठक में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार संधि साथ-साथ दोनों देशों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के तरीके पर चर्चा होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिसरी और अमेरिका में भारत के नेतृत्व वाले भारतीय दल का संभवतः हिस्सा होंगे।

व्यापार समझौते के लिए बातचीत 23 अप्रैल को

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत में तेजी आ रही है। दोनों देशों के मुख्य वार्ताकारों के बीच पहली आमने-सामने की तीन दिवसीय वार्ता 23 अप्रैल को वाशिंगटन में शुरू होने वाली है। अमेरिका ने भारत को जवाबी शुल्क से 90 दिन की राहत दी है और उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों देश किसी सहमति पर पहुंच जाएंगे। दोनों पक्षों ने व्यापार समझौते के लिए संदर्भ की शर्तों (टीओआर) को भी अंतिम रूप दिया है। अमेरिका और भारत की कोशिश है कि इस साल सितंबर-अक्टूबर तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण को पूरा कर लिया जाए।

100 लोगों को बचाया — जम्मू-कश्मीर में तबाही, घर और गाड़ियां दबीं

सेरी बागना इलाके में पहाड़ से गिरा टनों मलबा

रामबन में बादल फटा, बाढ़ भूस्खलन से तीन की मौत

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में पिछले कई दिनों से बारिश हो रही है। रामबन जिले के सेरी बागना इलाके में रविवार सुबह बारिश के बाद बादल फटने से 3 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने करीब 100 लोगों को रेस्क्यू किया। सूत्रों ने बताया कि बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। पहाड़ का मलबा गांव की तरफ आ गया, जिसके चपेट में कई लोग और 250 घर आ गए। फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। उधर, रामबन जिले के बनिहाल इलाके में कई जगह लैंडस्लाइड हुई हैं। इसकी वजह से जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया है। सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं। किश्तवाड़-पदर मार्ग भी बंद है। जम्मू एयरपोर्ट पर कई फ्लाइट्स रद करनी पड़ी। चेनाब नदी के पास धर्मकुंड गांव में भी लैंडस्लाइड हुआ। यहां से सैकड़ों लोगों को निकाला गया। अधिकारियों ने मौसम साफ होने के बाद ही हाईवे पर सफर करने की अपील की है।

ऐसे आई भयानक तबाही

1. अचानक बादल फटा, पहाड़ का मलबा खिसका, कई घर और गाड़ियां दबीं, सैकड़ों वाहन फंसे, आवाजाही ठप
2. कई घर जमींदोज हुए, 20 फुट तक मलबा चढ़ा, लोगों ने भागकर जान बचाई, जो नहीं भाग पाए वे दब गए

कई वीडियो सामने आए

लैंडस्लाइड के कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें पहाड़ से मलबा गिरते देखा जा सकता है। कुछ इलाकों में पहाड़ का मलबा सड़कों और रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया है। एक वीडियो में तीन-चार टैंकर और कुछ अन्य गाड़ियां मलबे में पूरी तरह दबी हुई दिख रही हैं। इसके अलावा होटल और घर भी मलबे से प्रभावित दिख रहे हैं।

चश्मदीद ने सुनाई भयावह कहानी

एक चश्मदीद ने बताया- जम्मू से श्रीनगर जाने के दौरान बारिश तेज हो गई तो मैंने रामबन में रुक गया। रात करीब 10 बजे मैंने होटल में चेकइन किया। रात करीब 3 बजे शोर-शराबे के बीच मेरी नींद खुली। मैं होटल से नीचे आया तो देखा पानी तेजी से ऊपर की ओर भर रहा था। नीचे का स्टाफ होटल छोड़कर भाग चुका था और हम सारे लोग फंस गए थे। चश्मदीद ने होटल की ओर इशारा करते हुए बताया कि यह होटल तीन मंजिला है। इसकी दो मंजिलें नीचे मलबे में दबी हुई हैं। यह तीसरी मंजिल दिख रही है। करीब 8-10 गाड़ियां नीचे दब गई हैं। हम 15 लोग ऊपर फंसे थे। होटल का कुछ स्टाफ जो ऊपरी फ्लोर पर था, वह भी फंस गया था। सामने का रास्ता बंद हो गया था। किसी तरह हम सभी ने होटल के पीछे से निकलकर अपनी जान बचाई।

प्रदेश में गर्मी का दौर जारी

रेवाड़ी। पांच दिन तापमान में लगातार हो रही वृद्धि से मौसम का मिजाज एक बार फिर गर्म होना शुरू हो गया है। अधिकतम तापमान 41 डिग्री के पार पहुंच चुका है, जिसके आगामी दिनों में तापमान में और भी बढ़ोतरी होने की संभावना है। अप्रैल माह में तापमान सामान्य से पांच डिग्री ज्यादा चल रहा है, आगामी सप्ताह में हीटवेव का प्रकोप बना रह सकता है। गत वर्ष 2024 में 20 अप्रैल को दिन का तापमान 37.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इस बार ये तापमान चार डिग्री ज्यादा चल रहा है।

पानीपत में दर्दनाक हादसा

पानी समझ पीया टॉयलेट क्लीनर, मासूम की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

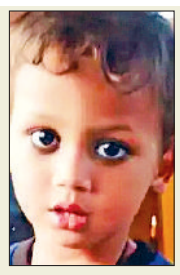

खेलते समय लगी प्यास, पानी की जगह दूसरी बोतल उठा ली, 2 बहनों का इकलौता भाई था

प्यास लगने पर 3 साल के बच्चे ने पानी की बोतल की जगह टॉयलेट क्लीनर पी लिया। इससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन में परिजन उसे तुरंत निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामला गांव अजीजुल्लापुर का है। जानकारी देते हुए पिता मोहम्मद सोहेल ने बताया कि वह मूल रूप से बिहार के जिला सुपुन का रहने वाला है। रविवार को सोहेब घर के आंगन में अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान उसे प्यास लगी। वह पानी पीने के लिए घर में गया तो उसने वहां रखी एक बोतल उठा ली और उसे खोल कर पी गया। इसके बाद वह अन्य बच्चों के साथ फिर खेलने चला गया। आंगन में खेलते वक्त मोहम्मद सोहेब की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे उल्टी हुई और बेसुध हो गया। इसके बाद उसे निजी अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सक ने उन्हें बताया कि बच्चे के कोई जहरीला पदार्थ पिया है, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ी है। डॉक्टर ने दवाई दी, जिससे सोहेब की हालत में सुधार आ गया। इस पर परिजन उसे घर ले आए। मगर, कुछ देर बाद ही सोहेब की तबीयत दोबारा बिगड़ने लगी। इस पर परिजन उसे लेकर दूसरे अस्पताल की ओर दौड़े। मगर, जब तक वह अस्पताल पहुंचते सोहेब ने दम तोड़ दिया था। डॉक्टर ने भी उसे मृत घोषित कर दिया।

आंधी से क्लीनर की बोतल नीचे गिरी

सोहेब को घर लाने पर परिजनों ने तलाश किया उसने क्या पिया था। इसी दौरान पता चला कि जिस बोतल को सोहेब ने पानी की समझ कर पिया था, वह टॉयलेट क्लीनर है। मां जुबेदा खातून ने बताया कि 19 अप्रैल की शाम को आंधी आ रही थी, जिसके चलते टॉयलेट की खिड़की पर रखा क्लीनर नीचे गिर गया। बाहर बेटा खेल रहा था, जो अचानक से भीतर आया और नीचे गिरी ढक्कन खुली बोतल को उठाकर पी गया।

जयपुर में एसीबी का बड़ी कार्रवाई

सुपरिटेंडेंट इंजीनियर के 6 जिलों में स्थित ठिकानों पर की छापेमारी

एजेंसी ▶▶ जयपुर

राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर अशोक जांगिड़ के जयपुर सहित 6 जिलों में स्थित ठिकानों पर छापेमारी की। आय से अधिक संपत्ति के मामले में यह कार्रवाई हुई है। अशोक की फिलहाल बांसवाड़ा में तैनाती है। जांगिड़ के जयपुर शहर, कोटपूतली, मौजमाबाद , उदयपुर, अजमेर, टोंक के विभिन्न ठिकानों के साथ पीएचईडी कार्यालय बांसवाडा, खनिज कार्यालय उदयपुर, टोंक, अजमेर, जयपुर व उप पंजीयक कार्यालय पावटा, मौजमाबाद में दो टीमें सर्च में लगी हैं। उनके स्वयं के नाम 19 , पत्नी सुनिता के नाम 3 परिसंपत्तियां, पुत्र निखिल के नाम 32 परिसंपत्तियां हैं।

मुर्शिदाबाद हिंसा प्रभावित लोगों की मदद करें : एनसीडब्ल्यू

कोलकाता। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने रविवार को पश्चिम बंगाल सरकार से मुर्शिदाबाद जिले के हिंसा प्रभावित लोगों, विशेषकर महिलाओं की शिकायतों के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आयोग एक रिपोर्ट तैयार कर रहा है, जिसे शीघ्र ही केंद्र को सौंपा जाएगा और उसकी प्रतियां राज्य के शीर्ष अधिकारियों को भेजी जाएंगी। रहाटकर ने कहा कि पिछले दो दिनों में वह और समिति की अन्य सदस्य कई महिलाओं, उनके परिवारों और बच्चों से मिली हैं। पीड़िताओं ने जो यातनाएं झेली हैं, वे "कल्पना से परे हैं।

शव पर मिले चोटों के निशान

कर्नाटक के पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश आवास पर मृत मिले, हत्या का शक

भाषा ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश रहस्यमय परिस्थितियों में बेंगलुरु स्थित अपने आवास में मृत पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। शव पर चोटों के निशान होने के कारण यह संदेह है उनकी हत्या की गई होगी। पुलिस ने बताया कि प्रकाश (68) की पत्नी पल्लवी ने घटना की जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। प्रकाश का शव एचएसआर लेआउट स्थित उनके तीन मंजिला आवास के भूतल पर खून से लथपथ मिला। पुलिस ने घटना के संबंध में प्रकाश की पत्नी और बेटी से पूछताछ शुरू कर दी है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विकास कुमार विकास ने संवाददाताओं को बताया कि शाम करीब साढ़े चार बजे पुलिस को घटना की सूचना मिली।

संस्कृति पर दिए गए पीएम मोदी के भाषणों को पुस्तक में संकलित किया

नई दिल्ली। दिल्ली में 2015 के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिए गए भाषण से लेकर पिछले साल वाराणसी में एक नेत्र अस्पताल के उद्घाटन समारोह में दिए गए भाषण तक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विभिन्न सांस्कृतिक विषयों पर दिए गए 34 भाषणों को अब एक पुस्तक में संकलित किया गया है। 'संस्कृति का पांचवां अध्याय' शीर्षक वाले इस पुस्तक में पिछले 10 वर्षों में विभिन्न अवसरों पर मोदी द्वारा भारतीय संस्कृति, परंपराओं, आध्यात्मिक मूल्यों व विरासत पर दिए गए भाषणों का उल्लेख है। जूना अखाड़े के प्रमुख आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की उपस्थिति में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में इस पुस्तक का विमोचन किया। इस संकलन में 34 भाषण हैं, जिन्हें कालक्रम के अनुसार क्रमबद्ध किया गया है। इसकी शुरुआत दिल्ली में लाल किले की प्राचीर से दिए गए 2015 के स्वतंत्रता दिवस के भाषण से होती है।

गहराया विवाद — अधिवक्ता ने अटॉर्नी जनरल को पत्र लिखकर मांगी सहमति

शीर्ष अदालत की 'गरिमा को घटाने' की मंशा से की गई टिप्पणी

निशिकांत दुबे के खिलाफ चलाई जाए अवमानना की कार्यवाही

भाजपा ने किया था दुबे के बयान से किनारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ अधिनियम मामले में एक वादी का प्रतिनिधित्व करने वाले उच्चतम न्यायालय के एक अधिवक्ता ने अटॉर्नी जनरल (एजी) आर वेंकटरमण को पत्र लिखकर शीर्ष अदालत की 'गरिमा को घटाने' की मंशा से की गई 'बेहद निंदनीय' टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने की सहमति मांगी है। एक दिन पहले ही दुबे ने शीर्ष अदालत को निशाना बनाते हुए कहा था 'यदि उच्चतम न्यायालय को ही कानून बनाना है तो संसद एवं विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए।' उन्होंने प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना पर निशाना साधते हुए उन्हें देश में 'गृहयुद्ध' के लिए जिम्मेदार ठहराया था।

दुबे ने कहा था 'यदि उच्चतम न्यायालय को ही कानून बनाना है तो संसद एवं विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए'

टिप्पणी खतरनाक रूप से भड़काऊ

अटॉर्नी जनरल को लिखे पत्र में अधिवक्ता अनस तनवीर ने कहा कि दुबे की टिप्पणी 'बेहद अपमानजनक और खतरनाक रूप से भड़काऊ' है। तनवीर ने पत्र में कहा है, " मैं यह पत्र न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 15 (1) (बी) तथा उच्चतम न्यायालय अवमानना कार्यवाही विनियम नियमावली, 1975 के नियम 3 (सी) के तहत झारखंड के गोड्डा संसदीय क्षेत्र से माननीय लोकसभा सदस्य निशिकांत दुबे के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने के लिए आपकी सहमति विनम्रतापूर्वक मांगने के लिए लिख रहा हूं, क्योंकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से ऐसे बयान दिए हैं जो बेहद निंदनीय, गुमराहपूर्ण हैं और उसका उद्देश्य भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय की गरिमा और अधिकार को कम करना है।

'डैमेज कंट्रोल' करने की कवायद : कांग्रेस

निशिकांत दुबे के बयान से भाजपा की दूरी बनाने को कांग्रेस ने "डैमेज कंट्रोल" करार दिया और जानना चाहा कि दोनों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) पर दो सांसदों द्वारा की गई "घृणित टिप्पणियों" से "निवर्तमान भाजपा अध्यक्ष" का दूरी बनाना कोई मायने नहीं रखता।

क्या है सांसद के विशेषाधिकार

संविधान में सांसदों को अनुच्छेद 105 के तहत विशेष अधिकार मिले हुए हैं।
अनुच्छेद 105(1) : सांसदों को संसद में बोलने और मतदान करने की आजादी देता है। इस दौरान उनकी कोई भी टिप्पणी के लिए कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती।
अनुच्छेद 105(2) : सांसदों को सदन के भीतर और बाहर कुछ विशेषाधिकार देता है, लेकिन यह एक मर्यादा से बंधा हुआ है।
अनुच्छेद 105(3) : यह संसद को विशेषाधिकारों को परिभाषित करने का अधिकार देता है, लेकिन अभी तक कोई कानून नहीं बना है।
संविधान में मर्यादा की बाधा : अगर सांसद का बयान सदन के भीतर दिया गया हो, तो उस पर कार्रवाई के लिए लोकसभा या राज्यसभा के स्पीकर या चेयरमैन की अनुमति जरूरी होती है, लेकिन अगर बयान सदन के बाहर दिया गया हो, तो सीधे कानूनी कार्रवाई संभव है, बशर्ते वह अवमानना या आपराधिक अपराध के दायरे में आता हो।

जींद के पालवा में प्रदेशस्तरीय संत शिरोमणि जयंती समारोह में मुख्यमंत्री व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने की शिरकत

संत शिरोमणि धन्ना भगत ने ईश्वर को अपने हृदय में बसा कर सारी मानवता को सत्य का मार्ग दिखाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार कई योजनाओं के जरिये संतों के विचारों को आगे बढ़ा रही है। संत, महापुरुषों का राज्य स्तरीय कार्यक्रम मनाने का काम कर रहे हैं। धन्ना भगत उन महान संतों में अग्रणी थे, जिन्होंने समाज को एक नई दिशा दिखाने का काम किया। धन्ना भगत का 1415 ईसवी में राजस्थान में एक साधारण किसान के यहां जन्म हुआ था। धन्ना भगत विख्यात संत रामानंद आचार्य के शिष्य थे। उन्होंने उत्तर भारत में धर्म का प्रचार-प्रसार किया। धन्ना भगत का जीवन सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण रहा है। उनकी भक्ति ने लोगों को यह सिखाया कि ईश्वर के सामने सभी बराबर हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को गांव पालवा स्थित बस स्टैंड के पास आयोजित प्रदेशस्तरीय संत शिरोमणि धन्ना भगत के जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह की कमान राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने संभाली हुई थी। इसका आयोजन सर्व जातीय दाड़न खाप पालवां एवं सरकार द्वारा मिलकर किया गया। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें उस सादगी, विश्वास और प्रेम की याद दिलाता है। जिसके बल पर एक साधारण किसान ने ईश्वर को अपने हृदय में बसा लिया और पूरी मानवता को सत्य का मार्ग दिखाया है।

■ सर्व जातीय दाड़न खाप पालवां व सरकार ने मिलकर किया आयोजन

हमारे महान संतों ने जो हमें मार्ग दिखाया है, हमें उसे बढ़ाने का काम करना है। धन्ना भगत के जीवन से हमारे समाज को शिक्षा मिले, इसे लेकर हमारी सरकार आगे बढ़ रही है। सर्व जातीय दाड़न खाप द्वारा रखे गए मांग पत्र पर सीएम नायब सैनी ने कहा कि सर्वजातीय खाप भवन में 40 किलोवाट का सोलर पैनल बनाने की मांग की गई है। एक तालाब की रिटेनिंग वॉल और एक भवन बनाने की मांग की गई है। इन मांगों को पूरा करने की घोषणा करते हैं। इसके अलावा भी जो और काम हैं उन कामों को हमारी सरकार पूरा करेगी।

जींद। संबोधित करते मुख्यमंत्री सैनी।

जींद। सीएम पगड़ी पहना स्वागत करते खाप प्रधान सूरजभान घसो।

पट्टेदार किसानों को मालिकाना हक दिया : सीएम

सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार 24 फसलों की एमएसपी पर खरीद रही है। सरकार ने पट्टेदार किसानों को मालिकाना हक दिया है। हमने इसके लिए कृषि पट्टा एक्ट लागू किया। हमने 20 सालों से जो किसान कब्जेदार थे, उन्हें मालिकाना हक दिया। हमारी केंद्र सरकार ने 2028 तक मुफ्त राशन देने का फैसला किया है। यह धन्ना भगत के संकल्पों में से एक था। हमारी सरकार ने धन्ना भगत के बताए रास्तों पर चलते हुए गोवंश और नशे के खिलाफ अभियान शुरू किए हैं। योजनाओं के तहत 20 लाख किसानों के खातों में छह हजार करोड़ रुपये केंद्र की सरकार भेज रही है। हमारी सरकार ने पिछले 10 सालों में 14 हजार करोड़ रुपये किसानों को मुआवजे के रूप में दिया है। पिछले दिनों हाईटेंशन तारों के लिए मुआवजा नीति बनाई है। हमने किसानों को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। सीएम ने कहा कि हमें गर्व है कि धन्ना भगत के नाम पर धर्म क्षेत्र कुरुक्षेत्र में पब्लिक स्कूल स्थापित है। हमारा प्रयास है कि समाज के हर वर्ग को समान अवसर और समान सम्मान मिले। यही हमारी सरकार का प्रयास है। हमारी सरकार धन्ना भगत के जीवन से प्रेरणा लेकर कई योजनाएं चला रही है। धन्ना भगत जानते थे कि किसान के जरिये ही देश तरक्की करेगा। हमने अन्नदाता के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। हमने किसानों के लिए नकली बीज पर रोकथाम के लिए कानून बनाया है। संत धन्ना भगत की भक्ति सभी के लिए थी। आज यही कारण है कि आज हर वर्ग उन्हें श्रद्धा के साथ याद करता है।

संत धन्ना भगत ने खेती व किसानों को आगे बढ़ाया

सीएम सैनी से पाठ्यक्रम में धन्ना भगत के बारे में शामिल किए जाने की मांग करते हुए राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला ने कहा कि वह मुगलों का दौर था। उस समय 12 शिष्य कबीर साहब से लेकर सबसे छोटी उम्र के धन्ना भगत ने समाज के अंदर समरसता का काम किया। उन्होंने बहुत बड़ी खाप समाज की स्थापना की। भगवान से उन्होंने जो भी मांगा वह समाज के लिए मांगा। भयंकर अकाल में उन्होंने समाज के लिए अन्न की व्यवस्था की। वह एक किसान थे और उन्होंने खेती किसानों को बढ़ावा देने के लिए काम किया। 18 अप्रैल 2025 विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर हमारे महान ग्रंथ भगवत गीता को मेमोरी ऑफ द वर्ड में शामिल किया गया। यह हमारी बड़ी उपलब्धि है। 2014 में सरकार ने ये योजना बनाई थी कि जितने भी हमारे संत, महापुरुष हुए उनकी जयंतियां सरकारी स्तर पर बनाई जानी चाहिए।

यह रहे मौजूद

कार्यक्रम में डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा, कैबिनेट मंत्री महीपाल ढांडा, मंत्री कृष्ण बेदी, कृष्णलाल पंवार, श्याम सिंह राणा, ओपी धनखड़, पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री, नलवा विधायक रणधीर पनिहार, विधायक सतपाल जांभा, विधायक विनोद भ्याणा, विधायक कपूर वाल्मीकि, जिलाध्यक्ष तिजेंद्र दुल, जवाहर सैनी, खाप प्रधान सूरजभान घसो सहित अनेक भाजपा नेता मौजूद रहे।

पांच एकड़ में लगा पंडाल

समारोह के लिए पांच एकड़ में विशाल पंडाल लगाया गया था। दर्शकों की सुविधा के लिए एलईडी स्क्रीन लगाई गई। पांच एकड़ में वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई। समारोह स्थल पर तीन अलग-अलग गेट बनाए गए। एक गेट मुख्यमंत्री के लिए, दूसरा साधु व संतों के लिए और तीसरा आम जनता के लिए था।

संत धन्ना भगत का जीवन हमें प्रेरणा देता है समाज में न हो विभाजन : कैप्टन अभिमन्यु

जींद। समारोह को संबोधित करते पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

समाज से कुरीतियों को खत्म करने का लक्ष्य सराहनीय : कैप्टन

समाज के अंदर आपसी खाइयों को दूर करने का संकल्प हो या समाज में फैली कुरीतियों को दूर करना हो, चाहे नशे के दूर करने का संकल्प हो, चाहे वह भ्रूण हत्या को रोकना हो। आप सब संकल्प लें कि धन्ना भगत की पावन जयंती पर हम सर्वसमाज के भाईचारे को एक कर के किसी तरह की राजनीति जो समाज को बांटने का काम करती हैं, उसे खारिज करने का काम करेंगे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

हरियाणा के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि धन्ना भगत महान संत थे। उन्होंने ईश्वर की निर्गुण उपासना करते हुए किसान और प्रकृति की उपासना की, वो सब जीव परमात्मा के अंश हैं। सब सर्वसमाज एक हैं। ऐसा संदेश धन्ना भगत ने हम सबको दिया है। उन्होंने धन्ना भगत जयंती की बधाई दी। कैप्टन अभिमन्यु रविवार को गांव पालवां में संत धन्ना भगत जयंती के राज्यस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

■ पूर्व वित्तमंत्री ने समाज को संत शिरोमणि की जयंती की बधाई दी

■ संतों की जयंती मनाकर सरकार दे रही सद्भावना का संदेश : कैप्टन

इस अवसर पर सीएम नायब सैनी, प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली, राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, कार्यक्रम संयोजक सुभाष बराला, मंत्री कृष्ण बेदी, महिपाल ढांडा, डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा, उचाना के विधायक देवेंद्र चतुरभुज अत्री समेत अन्य नेता मौजूद थे। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि धन्ना भगत का जीवन हमें प्रेरणा देता है कि समाज में जो विभाजन है, वो कृत्रिम हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। सभी मनुष्य एक हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री का विशेष आभार जताया, जो संत समाज के विभिन्न समाजों के इष्ट देव हैं, उनकी जयंती को मना कर सद्भावना के संदेश को आगे बढ़ाने का काम किया है। उसी प्रकार किसानों और कमेरा वर्ग मे धरती का सीना चीर कर जीवनयापन करते हुए भक्ति मार्ग पर चल कर जयपुर के ग्रामीण इलाके मे पैदा हुए ईष्ट देव धन्ना भगत की जयंती को मनाने का काम किया है।

इस बात के लिए मुख्यमंत्री व पूरी कैबिनेट बधाई के पात्र है। उन्होंने कहा कि भगत धन्ना ने यह संदेश दिया कि समाज की कुरीतियों को मिटा कर वर्तमान काल में जिस तरह मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार का संचालन कर रहे हैं, समाज में मौजूद कुरीतियों को दूर करने का काम किया जाए।

संत पर लिखी पुस्तक का विमोचन

- मुख्यमंत्री सैनी ने धन्ना भगत के जीवन पर लिखी पुस्तक का विमोचन किया
- सीएम नायब सिंह सैनी ने खाप द्वारा पहनाई गई पगड़ी पहन कर जयंती समरोह को संबोधित किया
- सीएम ने संबोधन की शुरुआत में संत धन्ना भगत के जयकारे लगाए
- सीएम को संतों ने सिर पर हाथ रख आशीर्वाद दिया
- राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला ने सीएम सैनी को मूर्ति भेंट की
- समारोह में उमड़ी भीड़ के चलते दिल्ली-पटियाला हाईवे पर जाम लगा
- समारोह में पहुंचे लोगों को चेकिंग के बाद अंदर जाने दिया गया

खबर संक्षेप

प्रदेश को अंधेरे में धकेल रही सरकार: ढांडा

चंडीगढ़। हरियाणा में भाजपा सरकार को सत्ता में आए एक दशक से ज्यादा समय हो चुका है, लेकिन आज भी प्रदेश की जनता बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए आज भी परेशान है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने मौजूदा नायब सैनी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि ₹एक तरफ प्रदेश की जनता महंगे बिल भर रही है, दूसरी तरफ उन्हें सिर्फ 16 घंटे बिजली देने का तुगलकी फरमान जारी किया है। यह साफ तौर पर भाजपा सरकार की नाकामी का प्रतीक है। अनुराग ढांडा ने कहा कि भाजपा ने लंबे समय तक शासन करने के बावजूद बिजली आपूर्ति जैसे अहम क्षेत्र में कोई ठोस सुधार नहीं किया। जनता को अब भी गर्मियों में घंटों पावरकट झेलना पड़ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर 10 साल में भी 24 घंटे बिजली नहीं दी जा सकी।

पंजाब की जनता प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देख रही प्रगति की आशा : नायब

■ जीरकपुर में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का अभिनंदन

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की साख को वैश्विक स्तर पर ऊंचा किया है और भारत को नई पहचान दिलाई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज देश-प्रदेश निरंतर प्रगति कर रहे हैं। हरियाणा की तरह पंजाब भी प्रगति और उन्नति करें, इसके लिए अब, पंजाब की जनता को भी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रगति की आशा है। पंजाब के लोगों ने विभिन्न पार्टियों पर भरोसा किया, लेकिन उन्हें सिर्फ निराशा मिली। इसलिए उन्हें विश्वास है कि नरेंद्र मोदी ही पंजाब को आगे ले जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने उनके सम्मान एवं अभिनन्दन के लिए रविवार को जीरकपुर में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिकरत की। इस मौके पर पंजाब के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को सम्मानित किया और उनकी कार्यप्रणाली की सराहना की ।इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वे पंजाब के युवाओं से बात करते हैं तो युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का संकल्प लेते हैं। आज पंजाब के किसान एवं युवा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आगे बढ़ना चाहते हैं।

छात्रों को नवोन्मेषी और नए विचारों को बढ़ावा देना चाहिए : राज्यपाल

रोहतक। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने नवोन्मेष से रोजगार का मार्ग प्रशस्त होने का उल्लेख करते हुए कहा कि छात्रों को नवोन्मेषी और नए विचारों को बढ़ावा देना चाहिए। शनिवार को रोहतक में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए दत्तात्रेय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को परिवर्तनकारी भी कहा। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय परिवार को 50 वर्ष पूरे करने पर बधाई देते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राज्यपाल ने कहा कि स्वर्ण जयंती विश्वविद्यालय की यात्रा में एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि छात्रों को नवोन्मेष की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने इसे भविष्य में रोजगार के अवसर सृजित करने की असली कुंजी बताया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को परिवर्तनकारी बताते हुए दत्तात्रेय ने इसके त्वरित क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की प्रगति की सराहना की।

बाबा बंदा सिंह बहादुर स्मारक के लिए देश भगत विवि ने भेंट किए 11 लाख

चंडीगढ़। हरियाणा के लोहगढ़ में बाबा बंदा सिंह बहादुर स्मारक के शुभ अवसर पर देश भगत विश्वविद्यालय ने बाबा बंदा सिंह बहादुर स्मारक फाउंडेशन ट्रस्ट के नेतृत्व में इस ऐतिहासिक पहल का समर्थन करने के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान दिया। देश भगत विश्वविद्यालय ने 11 लाख रुपये के योगदान के साथ बाबा बंदा सिंह बहादुर स्मारक का समर्थन किया।

चंडीगढ़। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को चेक भेंट करते विवि के अधिकारी।

योगदान को सराहा

फाउंडेशन ट्रस्ट के मार्गदर्शन में विकसित किए जा रहे इस स्मारक का उद्देश्य भारत में पहला संप्रभु सिख शासन स्थापित करने वाले एक श्रद्धेय सिख योद्धा और नेता बाबा बंदा सिंह बहादुर की बेजोड़ बहादुरी और बलिदान का सम्मान करना है। ट्रस्ट इस भव्य स्मारक के विकास के माध्यम से इस प्रतिष्ठित ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह चेक औपचारिक रूप से केंद्रीय ऊर्जा, आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल को सौंपा गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. प्रभलीन सिंह भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मनोहर लाल ने विश्वविद्यालय के योगदान की सराहना की और शिक्षा व सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए डॉ. ज़ोरा सिंह की प्रशंसा की। उन्होंने भारत की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए देश भगत विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को भी सराहा।

बजट में पांच हजार करोड़ का प्रावधान महिलाओं को अभी करना होगा इंतजार

लाडो लक्ष्मी योजना को धरातल पर उतारने की तैयारी, सीएमओ के अफसर कर रहे मंथन

योगेंद्र शर्मा ⏭ चंडीगढ़

लाडो लक्ष्मी योजना को लेकर इंतजार करने वाली महिलाओं को अभी थोड़ा इंतजार करना होगा क्योंकि इसको लागू करने को लेकर सीएमओ (मुख्यमंत्री कार्यालय) द्वारा चिंतन मंथन किया जा रहा है। भले ही सरकार ने इसके लिए विधिवत बजट में पांच हजार करोड़ का प्रावधान कर लिया हो लेकिन अभी भी इसमें वक्त लगेगा। दूसरा अहम पहलू यह है कि यह सभी पर लागू नहीं होगा बल्कि आर्थिक तौर पर ठीक-ठाक हालात वालों को यह नहीं मिलने जा रहा है क्योंकि सभी को देने के चक्कर में सरकार के खजाने पर प्रतिकूल प्रभाव होगा।

इतनी राशि होगी खर्च

सूत्रों का कहना है कि राज्य की सरकार अगर वार्षिक तीन लाख तीन लाख तक की आय वाले परिवारों की महिलाओं को लाभ इसका लाभ देती है, तो लगभग 40 लाख से ज्यादा महिलाएं योजना में शामिल हो जाएंगी। अब इस हिसाब से हर माह लगभग 800 करोड़ खर्च करने होगा। जबकि जो

महिलाएं पहले से बुढ़ापा पेंशन अन्य तरह की सामाजिक पेंशन ले रहीं हैं,, उन्हें योजना का लाभ नहीं मिलेगा यह भी पूरी तरह से तय है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चाहते हैं कि महिलाओं को जल्द योजना का लाभ मिले, इस कारण मुख्यमंत्री आफिस के अधिकारियों को इस पर होमवर्क को जल्द से जल्द पूरा करने के आदेश दिए हैं। परिवार पहचान पत्र में महिलाओं के बैंक खातों को लिंक करने का काम भी तेजी के साथ में किया जा रहा है। क्रिड पंचायत लेवल ऑपरेटर इस काम में लगे हैं। परिवार पहचान पत्रों में महिलाओं की जन्म तिथि और अन्य कुछ जानकारी की भी पड़ताल का काम किया जा रहा है, ताकि बाद में कोई दिक्कत व शिकायत का मौका नहीं मिले। वैसे, जल्द लाडो लक्ष्मी योजना शुरू नहीं होगी क्योंकि इसमें अभी और वक्त लगने की उम्मीद है।
सरकार का फोकस घोषणा का अमली जामा पहनाने का

हर माह 2100 रुपये

योजना के तहत महिलाओं को हर माह 2100 दिए जाने की घोषणा की गई थी। चुनावों से पहले किए गए वादे को पूरा करने को लेकर खुद सीएम ने बजट सत्र के दौरान साफ कर दिया था कि भाजपा की सरकार अपने वादों व संकल्प पत्र के एक एक अक्षर पर काम कर रही है। लाडो लक्ष्मी के लिए उन्होंने बजट में प्रावधान भी कर दिया था। योजना 23 से 60 वर्ष की महिलाओं के लिए है। इसके साथ ही इस उम्र सीमा में भी कौन-कौन श्रेणी की महिलाएं इसके दायरे में आएंगी और कौन-कौन से बाहर रहेंगी यह भी देखना होगा। सीएम नायब सैनी ने बजट पेश करते हुए योजना के लिए 5 हजार करोड़ का बजट रखा था। अब इस योजना में लाभ सिर्फ गरीब परिवारों की महिलाओं को देने अथवा उन महिलाओं को भी देने पर विचार हो रहा है, जिनके पति-पत्नी की मिलाकर सालाना आय तीन लाख तक के अंदर अंदर है। लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 देने के लिए सीएम ऑफिस की ओर से गंभीरता से चिंतन मंथन हो चुका है।

वित्त विभाग योजना पर काम कर चुका

वित्त विभाग भी इस पर काम कर चुका है। साथ ही विभिन्न श्रेणियों में देने के हालात में कितना आर्थिक बोझ होगा यह भी देखने वाली बात है, सरकार और अफसरों का फोकस इस बात पर है कि सांप भी मर जाए और लाठी भी नहीं टूटे, इसलिए इसे लागू करने के तौर -तरीकों पर विचार मंथन हो चुका है। सिर्फ बीपीएल श्रेणी की महिलाओं को लाभ दिया गया, तो लगभग 25 लाख महिलाओं को फायदा होगा। जिस पर हर माह सरकार को 500 करोड़ खर्च करने होंगे। यहां पर यह भी बता दें कि हरियाणा में अभी बीपीएल श्रेणी में 1.80 लाख सालाना तक की आय वाले परिवार आते हैं।

अंतरराष्ट्रीय शिष्टमंडल ने कसौली और कुरुक्षेत्र का भ्रमण किया

चंडीगढ़। 36वें अंतरराष्ट्रीय विधायी प्रारूपण प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत भारत आया 13 देशों का 27 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा का विस्तृत भ्रमण कर विधायी कार्यप्रणाली को समझने और कसौली का भ्रमण करने उपरांत रविवार को धर्मनगरी कुरुक्षेत्र रवाना हो गया। कुरुक्षेत्र में इस शिष्टमंडल ने अनेक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक स्थलों का भ्रमण किया। शिष्टमंडल के इस दौरे की शुरुआत चंडीगढ़ में 16 अप्रैल को विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शिष्टाचार भेंट से हुई थी। इसके बाद शिष्टमंडल ने विधान सभा की अनेक शाखाओं का अवलोकन कर विधायी कार्यप्रणाली को समझा है। शिष्टमंडल ने रविवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय स्थित 'धरोहर संग्रहालय' और इसके बाद श्रीकृष्णा म्यूज़ियम का अवलोकन किया। विदेशी प्रशिक्षणार्थियों का कुरुक्षेत्र पहुंचने पर संग्रहालय में पगड़ी बांध कर स्वागत किया गया।

घर से 25 लाख की नकदी लेकर नेपाल का युवक फरार

गुरुग्राम। सेक्टर-40 एरिया में नौकर द्वारा फ्लैट से 25 लाख रुपए चोरी करने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में सेक्टर-31 स्थित रहेजा अटलांटिक सोसाइटी के एक फ्लैट में रहने वाले तारिक हुसैन ने बताया कि उनके यहां पिछले सात-आठ माह से नेपाली मूल का रमेश बतौर नौकर काम करता था। बीती 15 अप्रैल को रमेश बिना बताए नौकरी छोडक़र चला गया। उस समय परिजनों ने इस घटना को गंभीरता से नहीं लिया। इसके बाद जब 19 अप्रैल को किसी को पेमेंट देने के लिए तारिक ने अपनी तिजोरी (सूटकेस) खोली तो उसमें रखे 25 लाख रुपए गायब थे। इसकी सूचना तुरंत सोसाइटी के सुरक्षा कर्मचारियों को दी गई। इसके बाद सीसीटीवी चैक किए गए तो 15 अप्रैल को रमेश को भारी बैग लेकर सोसाइटी से बाहर जाते देखा गया था। तारिक हुसैन ने कहा कि उन्हें पूरा यकीन है कि रमेश ने ही उनके 25 लाख रुपए चुराए हैं।

खबर संक्षेप

हाईकोर्ट के आदेश पर फार्मासिस्ट सेवा मुक्त

पानीपत। पानीपत के सिविल अस्पताल से महिला फार्मासिस्ट मीनाक्षी नैन मूल निवासी जींद हाल निवासी भूल भुलैया चौक, पानीपत को सेवा मुक्त कर दिया गया है। मीनाक्षी को बर्खास्त करने का आदेश पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने दिया है। मीनाक्षी पर पानीपत सिविल अस्पताल में फार्मासिस्ट की ड्यूटी ज्वाइन करने के समय मुख्यालय में फर्जी हलफनामा दिया था। मीनाक्षी 2021 से अब तक सिविल अस्पताल में कार्यरत रही। इधर, स्वास्थ्य विभाग के एसएमओ डॉ. श्यामलाल महाजन ने बताया कि मीनाक्षी नैन को हाईकोर्ट ने बर्खास्त किया है।

सिरसाः किशोरी ने फंदा लगाकर दी जान

सिरसा। शहर की हुडा चौकी क्षेत्र में एक किशोरी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मामले की जांच कर रहे एएसआइ सत्यबीर सिंह ने बताया कि महिला थाना के सामने बनी कॉलोनी में 14 वर्षीय राधा अपने बुआ-फूफा के साथ पिछले डेढ़ साल से रहती थी। शनिवार सुबह उसने अपने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका के फूफा गोपाल की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतका एक साल पहले खैरपुर के राजकीय स्कूल में पढ़ती थी।

महेंद्रगढ़ः आईटीआई में जॉब मेला आज

महेंद्रगढ़। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान महेंद्रगढ़ में 21 अप्रैल को जॉब मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आईसिन आटोमोटिव हरियाणा लिमिटेड और इंडिया निप्पोन इलेक्ट्रिकल प्राइवेट लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी। इस मेले में आईटीआई के तकनीकी ट्रेड्स के पास आउट और डी. वोक के बाद कंपनी रोल पर ट्रेनियों का चयन किया जाएगा। संस्थान प्राचार्य ने बताया कि जॉब मेला 21 अप्रैल को सुबह 9:30 बजे आयोजित किया जाएगा। इस मेले में आईसिन आटोमोटिव हरियाणा लिमिटेड और इंडिया निप्पोन इलेक्ट्रिकल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी भाग लेगी। मेले में साक्षात्कार के माध्यम से अप्रेंटिस और ट्रेनी के रूप में चयन किया जाएगा। जिला प्रशासन और कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना है।

कुर्क की गई भूमि की गेहूं की फसल काटी

कैथल। जिला प्रशासन द्वारा कुर्क की गई भूमि की गेहूं की फसल काटने के रूप में पुलिस ने एक मामला दर्ज किया है। इस संबंध में गुहला के नायब तहसीलदार सुरेश कुमार ने गुहला पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि जिला प्रशासन द्वारा गांव हेमू माजरा की जमीन को कुर्क किया गया था। आरोप है कि कुर्क की गई जमीन से नरेंद्र कौर, ओंकार, गुरप्रीत कौर और गगनदीप कौर ने 125000 की गेहूं काट ली। गुहला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राजेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज का जांच शुरू कर दी है।

हेरोइन के साथ एक नशातस्कर गिरफ्तार

यमुनानगर। सदर यमुनानगर थाना पुलिस ने गांव दुसानी के पास से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 11.25 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया जानकारी के अनुसार सदर यमुनानगर थाना पुलिस में तैनात कुलदीप सिंह ने बताया कि वह टीम के साथ गांव दुसानी के पास गश्त कर रहा था। इस दौरान टीम को सूचना मिली थी कि गांव दुसानी के पास एक युवक नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में खड़ा है। अगर वहां पर दबिश दी जाए तो आरोपी को गिरफ्तार किया जा सकता है। सूचना मिलते ही उसने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर वहां संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे युवक को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 11.25 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी की पहचान गांव टोडरपुर निवासी निसार के रूप में हुई।

शटर काटकर चोरी करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर 85 की टीम ने जवाहर कॉलोनी में दुकान का शटर काटकर मोबाइल फोन चोरी करने के मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हिमांशु रस्तोगी निवासी सेक्टर 22 ने थाना सारन में दी अपनी शिकायत में बताया कि उसकी जवाहर कॉलोनी में मोबाइल की दुकान है। 11-12 फरवरी की रात को कोई नामालूम दुकान का शटर काटकर काफी संख्या में मोबाइल फोन चोरी कर ले गये। जिसकी शिकायत पर थाना सारन में चोरी की धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया।

उन्होंने आगे बताया कि अपराध शाखा सेक्टर 85 की टीम ने कार्यवाही करते हुए रविकांत कुमार निवासी भूसी जिला सिवान बिहार हाल किराएदार चित्रकूट कॉलोनी गाजियाबाद व सूरज कुमार मांझी वासीगाम बरहोपुर जिला छपरा बिहार हाल चित्रकूट कॉलोनी गाजियाबाद को गिरफ्तार किया है।

फतेहाबाद: जलभराव के चलते बर्बाद हुई थी फसल

नरमे की फसल का मुआवजा जारी, 10 हजार किसानों को मिलेगा 30 करोड़

- क्षेत्र की अधिकांश जमीन सेमग्रस्त है, जहां पर जलभराव होने के बाद पानी आसानी से नहीं सूखता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांव बनमंदौरी में खेतों में खड़ा पानी।

फतेहाबाद। खेतों में हुआ जलभराव। (फाइल फोटो)

बीते वर्ष मानसून के दौरान भट्टू क्षेत्र में हुई भारी बारिश के चलते नरमे की फसल में जलभराव हो गया था। जिस कारण नरमे की हजारों एकड़ फसलें सडक़र खराब हो गई थी। बीमित किसानों ने खराबे के मुआवजे के लिए बीमा कम्पनी में आवेदन किया। कृषि विभाग द्वारा बीमा कम्पनी व गांव के लोगों की गठित कमेटी ने फसलों का निरीक्षण किया तो खराबा पाया गया। पिछले दिनों बीमा कम्पनी रिलायंस जीआईसी ने नरमा की खराब हुई फसल के एवज में 30 करोड़ रुपये मुआवजा स्वीकृत कर लिया है। बीमा कम्पनी ने फतेहाबाद के 1521 किसानों के खाते में 9 करोड़ 59 लाख रुपये की मुआवजा राशि भी ट्रांसफर कर दी है। कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश सिहाग ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि बचे हुए किसानों के खाते में जल्द ही बीमा कंपनी रुपये जारी करेगी। बता दें कि मानसून में भट्टू क्षेत्र में भारी बरसात हुई थी। भट्टू राजस्थान सीमा से सटा क्षेत्र हैं। यहां की अधिकांश जमीन सेमग्रस्त है। जहां पर जलभराव होने के बाद पानी आसानी से नहीं सूखता। हालांकि सिंचाई विभाग ने यहां सौर ऊर्जा चलित पानी निकासी के लिए पम्प लगा रखे हैं लेकिन यहां महीनों तक पानी न निकलने से फसलें सड़ जाती है। बारानी इलाका होने के चलते खरीफ में यहां नरमे की फसल की बिजाई होती है। पिछले 7 सालों से लगातार नरमा खराब हो रहा है। चाहे वह बरसात से हो या सफेद मक्खी से, हर वर्ष किसान की फसल खराब हो जाती है। जिसके बाद या प्रदेश सरकार मुआवजा देती है या फिर बीमा कम्पनी। इस बारे भी किसानों के नरमे के खराबे के चलते बीमा कम्पनी ने 30 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। पिछले दिनों 1521 किसानों के खाते में 9 करोड़ 59 लाख रुपये डाल दिए गए। खराब होने के 6 महीने बाद किसानों के खाते में रुपये जारी होने से उनमें भी खुशी है। इससे किसानों को बड़ा लाभ मिला। जिले के 10 हजार किसानों को मंजूर हुआ 30 करोड़ रुपये मुआवजा वितरित किया जाएगा। इसमें 90 % कपास उत्पादक किसान है। बाकी बाजरा व दूसरी फसल के किसान शामिल है।

किसानों ने मुआवजा मिलने की पुष्टि की

भट्टू क्षेत्र के किसान ढुलीचंद, दलीप सिंह, रामलाल, किशन चंद, मेहूवाला के सुरेन्द्र, रामप्रताप आदि ने बताया कि उनके खाते में प्रति एकड़ 15 से 20 हजार रुपये तक आए है। अब किसान कार्ड के ब्याज के रुपये भरने में आसानी होगी। उनका कहना है कि पिछले 7 सालों में लगातार कपास उत्पादक किसानों को बीमा योजना का लाभ मिला है। उनके गांवों में सेम है। बारिश होने से फसल खराब होती है तो बीमा क्लेम मिल जाता है। इस बार भी ऐसा ही हुआ।

नरमा का ही मिलता है मुआवजा

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में सबसे महंगा नरमा की फसल का बीमा होता है। सरकार व किसान को प्रति एकड़ बीमा कंपनी को 5 हजार रुपये का प्रीमियम देना पड़ता है। जिसमें से 2 हजार के करीब किसान को बाकी रुपये केंद्र व राज्य सरकार मिलकर वहन करती है। दूसरी फसलों का इतना अधिक प्रीमियम नहीं है। धान की फसल तो जलभराव की वजह से खराब ही नहीं मानी जाती।

7 साल से लगातार क्लेम दे रही बीमा कम्पनी

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पिछले 7 वर्षों में कपास के किसानों के लिए लाभदायक साबित हो रही। प्रत्येक सीजन में कपास की फसल खराब होने पर किसानों को करोड़ों रुपये का क्लेम मिला। इसके चलते कंपनी ने बेशक प्रीमियम महंगा कर दिया। इसके चलते कई किसान बीमा भी करवाना कम कर दिया, लेकिन बीमा कंपनी को हर बार क्लेम देना ही पड़ रहा है।

9 करोड़ किसानों के खाते में जारी हो गए

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत जिले के किसानों के लिए 30 करोड़ रुपये मंजूर हुए है। उनमें से 9 करोड़ रुपये किसानों के खाते में जारी हो गए। बाकी रुपये ही जल्द ही किसानों के खाते में आएंगे। ये रुपये खरीफ सीजन में कपास की फसल के क्लेम के रूप में आए है। वैसे यह योजना किसानों के लिए कारगर साबित हुई है। -डॉ. राजेश सिहाग, उपनिदेशक, कृषि विभाग

पुलिस कर्मियों की मदद से चल रहा था अवैध वेंडरों का खेल

आरपीएफ चौकी प्रभारी समेत पांच पुलिस कर्मचारी सस्पेंड

- राजपुरा रेलवे स्टेशन पर 15 से 20 वेंडर ऐसे मिले, जिनके पास रेलवे की तरफ से निर्धारित प्रमाण पत्र नहीं था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

राजपुरा रेलवे स्टेशन पर मिले अवैध वेंडरों के मामले मं वहां के आरपीएफ चौकी प्रभारी सहित पांच कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। सभी को मुख्यालय में संपर्क करने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई उत्तर रेलवे बड़ौदा हाउस से आई आरपीएफ की विशेष टीम से प्राप्त जानकारी के आधार पर की गई है। अवैध वेंडरों सहित अनियमितताओं को पकड़ने के लिए आरपीएफ की एक विशेष टीम का गठन किया गया है जोकि स्वतंत्र तौर पर काम करती है। इस टीम को सूचना मिली थी कि अंबाला मंडल के अधीन राजपुरा रेलवे स्टेशन पर अनधिकृत वेंडरों का खेल चल रहा है। इसकी पुष्टि को लेकर जब टीम ने शुक्रवार की मध्यरात्रि राजपुरा रेलवे स्टेशन पर दबिश दी तो पूरे खेल का भंडाफोड़ हो गया। टीम को राजपुरा रेलवे स्टेशन पर 15 से 20 वेंडर ऐसे मिले, जिनके पास रेलवे की तरफ से निर्धारित प्रमाण पत्र नहीं था। इतनी संख्या में मिले अनधिकृत वेंडरों की सूचना जैसे ही मुख्यालय स्तर पर पहुंची तो हड़कंप मच गया। अब इस मामले को लेकर अंबाला मंडल के वरिष्ठ सुरक्षा आयुक्त अरुण त्रिपाठी ने राजपुरा चौकी के प्रभारी सहित अन्य चार कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। अब उनके खिलाफ विभागीय जांच भी आरंभ होगी ताकि मामले की तह तक पहुंचा जा सके कि कितने समय से यह खेल चल रहा था और इसमें कौन-कौन कर्मचारी संलिप्त थे।

पानीपत के कॉटन वेस्ट फैक्ट्री में दूसरे दिन भी आग धधकती रही

पानीपत। पानीपत में दिल्ली पैरलल नहर के किनारे बनी रिफाइनरी रोड पर गढ़ी सिकंदरपुर के पास स्थित मोदित ट्रेडिंग कंपनी और कॉटन वेस्ट नामक फैक्ट्री में रविवार को दूसरे दिन भी आग लगी रही। वहीं दमकल के टेंडर आग को काबू करने में जुटे रहे। इधर, इस फैक्ट्री में लगी आग में कर्मचारी आशीष मलिक मूल निवासी गांव लाक जिला शामली यूपी की जिंदा जलने से मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शी फैक्ट्री कर्मी सोनू ने बताया कि आशीष के साथ वह खुद, देवेंद्र और पप्पू आग काबू करने में जुटे। लेकिन फैक्ट्री के अंदर आग भीषण रूप धारण कर गई। आग को विकराल रूप लेता देख सोनू, देवेंद्र और पप्पू वापस लौट आए। जबकि आशीष के सामने कॉटन वेस्ट की गांठें गिर गई और उसके बाहर आने का रास्ता बंद हो गया। इस घटना में आशीष की दर्दनाक मौत हो गई। दमकल ने आशीष के शव को बाहर निकाला। इधर, रविवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने आशीष का शव उसके परिजनों को सौंप कर इस मामले की जांच शुरू कर दी है। आशीष अपने पीछे पत्नी काजल व चार साल के पुत्र अर्नव को छोड गया है।

- फैक्ट्री में आग से यूपी का युवक जिंदा जल गया था, पुलिस ने आशीष के शव का पोस्टमार्टम करवाया

फरीदाबाद में वारदात से हड़कंप, शादी से 2 दिन पहले फोटो-पता भेजा

योग टीचर मंगेतर को प्रेमी ने पीट-पीटकर मार डाला

- दो आरोपी गिरफ्तार, अन्य की तलाश की जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

एक युवती ने प्रेमी से मिलकर शादी से दो दिन पहले ही अपने मंगेतर योग टीचर की हत्या करा दी। पहले मंगेतर का फोटो और पता भेजकर उसके बारे में जानकारी दी, फिर प्रेमी ने अपने 4 साथियों के साथ मिलकर युवक को पीट-पीटकर अधमरा किया। उसके हाथ-पैर तक तोड़ दिए गए। जिससे वह कोमा में चल गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बादशाह खान सिविल अस्पताल भेजा है। घटना बल्लभगढ़ के आईएमटी इलाके की है। पुलिस ने मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मगर, युवक के परिजनों का कहना है कि जब तक युवती और सभी आरोपी गिरफ्तार नहीं हो जाते, वे शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। उन्होंने पुलिस पर भी आरोपी पक्ष पर मिले होने का आरोप लगाया है। गांव सोतई निवासी प्रेमचंद ने बताया कि उनके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा गौरव एक निजी स्कूल में टीचर है। उसका रिश्ता बल्लभगढ़ की त्रिखा कॉलोनी की रहने वाली युवती नेहा से तय हुआ था।

योग टीचर की पीट-पीटकर हत्या करने का आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

19 को होनी थी शादी 17 को हाथ पैर तोड़ा

प्रेमचंद ने बताया कि 17 अप्रैल को दोपहर करीब एक बजे गौरव अपनी कार से बल्लभगढ़ सामान लेने गया था। लौटते वक्त जैसे ही वह आईएमटी में अपने गांव के मोड़ पर पहुंचा तो कुछ लड़कों ने गौरव को जबरन रोक लिया और रॉड, डंडे से उस पर हमला कर दिया। हमलावरों ने गौरव के दोनों पैर, हाथ तोड़ दिए और सिर में भी चोटें मारी। उसे बेहोशी की हालत में छोडक़र हमलावर फरार हो गए। बेटे के शरीर में 12 से 15 जगह फ्रैक्चर आए थे। 20 अप्रैल की अल सुबह गौरव ने दम तोड़ दिया।

जींदः ढाबे से युवक का अपहरण कर बेरहमी से पीटा, नौ पर मामला दर्ज

- कार सवार युवकों ने दिया वारदात को अंजाम, जुलाना के निकट फेंक कर हुए फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव किनाना के निकट ढाबा पर चाय पी रहे युवक का कुछ युवकों ने अपहरण कर बेरहमी से पीटा। जिसके बाद आरोपित युवक को जुलाना के करसोला मोड पर छोड़ फरार हो गए। सदर थाना पुलिस ने घायल युवक की शिकायत पर दो लोगों को नामजद कर सात अन्य के खिलाफ अपहरण, मारपीट करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव घिमाना निवासी सुनील ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह कार्यवश साथी की गाड़ी लेकर रोहतक गया हुआ था। वापसी के दौरान वह देर रात को गांव किनाना के निकट ढाबे पर चाय पीने लगा। उसी दौरान गांव का राहुल मिल गया। दोनों के बीच बातचीत हो रही थी कि उसी दौरान राहुल का दोस्त हरीश लाठर गाड़ी में कुछ युवकों को लेकर ढाबे पहुंच गया। इससे पूर्व वह कुछ समझता राहुल ने उसे पकड़ लिया और उसे जबरन हरीश की गाड़ी में डाल लिया। आरोपितों ने उसकी बेरहमी से पिटाई की और जुलाना के करसोला मोड पर फैंक कर फरार हो गए। राहगीरों के सहयोग से उसने घटना की सूचना परिजनों तथा पुलिस को दी। बाद में उसे जुलाना के अस्पताल ले जाया गया। जहां से चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालात देख पीजाआई रोहतक रेफर कर दिया।

---

10 मार्च 2017 में वारदात को अंजाम दिया था

मोबाइल फोन छीनने वाले को 5 साल की कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

सेशन जज रितु वाईके बहल की अदालत में मोबाइल फोन छीनने के एक मामले में सजा का ऐलान करते हुए एक युवक को 5 साल की कैद और दस हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जुमार्ना न देने पर 2 महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। इस बारे में थाना शहर में कृष्ण वर्मा निवासी अशोका कॉलोनी कैथल ने 10 मार्च 2017 को धारा 379-ए आईपीसी के तहत मुकदमा नंबर 103 दर्ज करवाया था। कृष्ण वर्मा का दोस्त विशाल निवासी कानूनगो मुहल्ला कैथल 10 मार्च 2017 को घर आया और कहने लगा कि मुझे मेरे पापा से पैसे लेने जनता मार्किट में जाना है, तू अपनी बाइक पर मुझे वहां पर छोड़ आ। बाइक पर बिठा लिया। जनता मार्किट पहुंचकर कृष्ण मोबाइल फोन सैमसंग जे-7 प्राइम से कहीं फोन करने लगा तो विशाल झपटा मारकर फरार हो गया।

एमटीपी किट ऑनलाइन बेचने वाले दो गिरफ्तार, पूछताछ जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

- बिना चिकित्सक के परामर्श के भेजी गई थी गर्भपात की दवाई
- भागलपुर बिहार से कैमिस्ट ने 450 रुपये में किट को करवाया था कोरियर

सिविल लाइन थाना पुलिस ने ऑनलाइन एमपीटी किट भेजने वाले बिहार के कैमिस्ट समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने 450 रुपये में किट को कोरियर के माध्यम से भेजा था। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। नागरिक अस्पताल के नोडल अधिकारी डा. पालेराम ने गत 27 फरवरी को पुलिस को दी शिकायत बताया था कि गत 18 फरवरी को स्वास्थ्य विभाग की टीम को ऑनलाइन एमटीपी किट बिक्री के बारे में जानकारी मिली थी। इसमें यूनिक मार्केट इन वेबसाइट से बिना किसी डॉक्टर के परामर्श से किसी भी व्यक्ति को गर्भपात की दवाइयां गैर कानूनी ढंग से भेजी जा रही हैं। इस पर सिविल सर्जन द्वारा एक रेडिंग टीम का गठन किया गया था। इस टीम द्वारा वेबसाइट से एमटीपी किट का ऑर्डर किया। इसकी ऑनलाइन पेमेंट भी की गई। इस ऑर्डर को ट्रैक करते हुए पाया गया कि यह भागलपुर बिहार से ऑर्डर की सप्लाई शुरू की गई थी। इसके बाद ऑर्डर की डिलीवरी पॉलीक्लिनिक सेक्टर आठ में कोरियर कंपनी द्वारा की गई। टीम ने पैकेट खोला तो इसमें गर्भ गिराने वाली गोलियां थी।

शिक्षा विभाग के क्लर्क से 25 लाख की ठगी

विश्वास ग्रुप के संचालकों के खिलाफ केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

एक व्यक्ति को विदेश भेजने के नाम पर 25 लाख की ठगी करने का मामला सामने आया है। एक एजेंट ने व्यक्ति को यूके भेजने का लालच दिया। जिसके बाद वह उसके जाल में फंस गया। एजेंट द्वारा मांगी गई रकम एजेंट को दे दी गई। लेकिन, वह विदेश नहीं जा सका। अब इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। अंबाला कैंट के रघुबीर सिंह के मुताबिक विश्वास ग्रुप कंपनी के कुछ सदस्यों ने उसे यूके भेजने का लालच दिया था। यह मामला 2022 का है। उसने बताया कि उससे धीरे-धीरे पैसे ऐंठ लिए गए। जिसके बाद उसे अभी तक नहीं भेजा गया है।

अब उसने मामले में शिकायत दर्ज कराकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। पीड़ित रघुबीर सिंह शिक्षा सदन में पिछले 28 साल से क्लर्क पद पर तैनात है।

प्रवचन | कंवर साहेब जी महाराज ने रेवाड़ी के जाड़रा स्थित राधास्वामी आश्रम में सत्संग फरमाया

सत्संग सत्य का संग है और सत्य होता है भेदभाव रहित

गृहस्थ से बड़ा धर्म नहीं है, लेकिन इसमें गफलत की भी उतनी ही संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले के रेवाड़ी-महेन्द्रगढ़ रोड स्थित गांव जाडरा के राधास्वामी आश्रम में रविवार को सत्संग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राधा स्वामी आश्रम दिनोद के परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने कहा कि सत्संग मेर तेर को खत्म करता है। सत्संग सत्य का संग है और सत्य भेदभाव रहित होता है। सत्संग प्रभु के नाम की महिमा का गान है। सत्संग आपके अंतर के सूनेपन को समाप्त करके उसमें परमात्मा के नाम की उमंग जगाता है। महाराज ने कहा कि गृहस्थी इंसान की ही पल परीक्षा है। दुनियादारी की जरूरतों को पूरा करते करते हुए उसे आभास ही नहीं होता कि कब वह काल और माया के फंदे में जकड़ा गया। गृहस्थ से बड़ा धर्म नहीं है, लेकिन इसमें गफलत की भी उतनी ही संभावना है। इस गफलत से इंसान को सतगुरु सतनाम और सत्संग ही बचा सकता है। उन्होंने कहा कि भक्ति मार्ग पर चलने से पहले अपने सामाजिक जीवन को उन्नत करो। अच्छे गुणों को अपनाओ, मां बाप बड़े बुजुर्ग की सेवा और आदर करना सीखो। महाराज ने कहा कि प्रकृति का भी यही नियम है कि वह सुंदर सात्विक भावों को ही अपनाती है, फिर हम बुरे कर्म करके प्रकृति के दुश्मन क्यों बनाए। सतगुरु कंवर साहेब ने कहा कि बिना दृढ़ संकल्प शक्ति के कोई काम संभव नहीं है। संकल्प शक्ति की दृढ़ता केवल विश्वास भाव से आती है और विश्वास सतगुरु जगाता है। उन्होंने कहा कि मन से शक्तिशाली सतगुरु है, जिन्होंने प्रभु से प्यार किया वे सब बेपरवाह हुए। कितने राजा महाराजाओं व सेठ साहूकारों ने प्रभु से प्रेम के कारण अपना अब कुछ एक पल में त्याग दिया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक पतिव्रता औरत अपने प्रेम के वशीभूत होकर अपना सब कुछ पति पर कुर्बान कर देती है, वैसे ही भक्त को भी अपने इष्ट के प्रेम में अपना अब कुछ कुर्बान कर देता है। महाराज ने कहा कि परमात्मा से नाता निस्वार्थ नाता है। सतगुरु भी परमात्मा का रूप है। उन्होंने कहा कि हम पूरी उम्र दूसरों की इच्छापूर्ति के लिए लगे रहते हैं।

रेवाड़ी। आश्रम में प्रवचन देते परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज।

आपकी श्रद्धा मुर्दे में भी डाल देती है जान

महाराज ने कहा कि जब आप परमात्मा के आगे अपने सारे बल हार जाते हो तो परमात्मा आपके सारे काम करता है। आपकी श्रद्धा मुर्दे में भी जान डाल देती है। महात्मा तुलसी सदा परमात्मा के ख्याल में रहते थे। एक बार जब वो कहीं जा रहे थे तो रास्ते में एक पतिव्रता नारी अपने पति की मृत देह के साथ सती होने जा रही थी। महात्मा तुलसी को देखकर वो उनके चरणस्पर्श करने के लिए झुकी तो परमात्मा के ख्याल में खोए तुलसी ने सहज स्वभाव से उसे संतान प्राप्ति का आशीर्वाद दे दिया। अब तुलसी को भी अपनी गलती का एहसास हुआ, लेकिन वो परमात्मा की शरणागत होकर बोले कि मैं तो कुछ नहीं जानता अब आप ही जानो रघुनाथ। महाराज ने कहा कि हक हलाल की कमाई खाओ। पराई स्त्री और पराए धन से स्नेह मत रखो। सब जीवों पर दया रखो। प्रकृति और पर्यावरण को संरक्षित रखो पशु-पक्षियों के लिए जगह-जगह दाना-पानी की व्यवस्था करो।

पुलिस का नशा तस्करों पर प्रहार, चरस के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। जिला को नशा मुक्त बनाने के लिए फरीदाबाद पुलिस की नशा तस्करों पर लगातार कार्यवाही जारी है। फरीदाबाद पुलिस की अपराध शाखा सेक्टर 30 की टीम ने दो आरोपी आयुष व स्वर्गय को नशा तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 19 अप्रैल को अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए आयुष कश्यप निवासी कालकाजी नई दिल्ली व स्वर्गय निवासी वैशाली अपार्टमेंट कालका जी एक्सटेंशन नई दिल्ली को ग्रीन फिल्ड गुरूद्वारा के पास से 159 ग्राम चरस के साथ काबू किया है। जिनके खिलाफ थाना सूरजकुण्ड में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामले दर्ज किया गया हैं।

कंपनियों के तिमाही नतीजों, शुल्क और निवेश से तय होगा शेयर बाजार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह घरेलू कंपनियों के तिमाही नतीजों, अमेरिकी शुल्क के मोर्चे पर घटनाक्रमों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा निवेशक आगे के संकेतों के लिए वैश्विक बाजार के रुझान, बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी निगाह रखेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजित मिश्रा ने कहा, 'इस सप्ताह, सभी की निगाहें एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और मारुति जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर शुल्क के मोर्चे पर किसी घटनाक्रम और दुनिया पर उसका क्या प्रभाव रहता है, इसपर भी निवेशकों की निगाह रहेगी।'

एफआईआई ने खरीदे शेयर

जियोजीत इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि 17 अप्रैल को समाप्त पिछले तीन कारोबारी दिनों के दौरान एफआईआई गतिविधियों में स्पष्ट बदलाव देखने को मिला है। तीन कारोबारी सत्रों में एफआईआई ने नकद बाजार में 14,670 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। उन्होंने कहा कि एफआईआई के रुख में यह बदलाव डॉलर इंडेक्स के 100 से नीचे आने और आगे अमेरिकी मुद्रा में और कमजोरी आने की संभावना की वजह से हुआ है।

बाजार में तेजी की उम्मीद

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के प्रमुख-शोध, संपदा प्रबंधन सिद्धार्थ खेमका ने कहा, 'इस सप्ताह हमें भारतीय बाजार में तेजी जारी रहने की उम्मीद है, जो एफआईआई की खरीदारी में रुचि, घरेलू मुद्रास्फीति में कमी और मौसम विभाग के सामान्य से बेहतर मानसून की भविष्यवाणी जैसे सहायक कारकों से प्रेरित है। इस बीच, यदि अमेरिकी शुल्क के मोर्चे पर तनाव बढ़ता है, तो बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। वहीं कंपनियों के बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के नतीजों की वजह से बाजार में शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।'

बढ़त पर बाजार

छुट्टियों की वजह से कम कारोबारी सत्रों वाले बीते सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 3,395.94 अंक या 4.51 प्रतिशत चढ़ा, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 1,023.1 अंक या 4.48 प्रतिशत के लाभ में रहा।

एनएसई ने जोड़े 84 लाख नए डीमैट खाते

भारत के पूंजी बाजारों में वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान खुदरा निवेशकों की उल्लेखनीय भागीदारी हुई। इस दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 84 लाख से अधिक नए सक्रिय डीमैट खाते जोड़े गए। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 20.5 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही एनएसई पर कुल सक्रिय डीमैट खाते बढ़कर 4.92 करोड़ हो गए। इस वृद्धि में सबसे आगे दो डिजिटल ब्रोकरेज कंपनियां- ग्रो और एंजल वन हैं। इनकी कुल शुद्ध वृद्धि में 57 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रही। ग्रो सबसे अधिक योगदानकर्ता बनकर उभरी, जिसने 34 लाख नए खाते जोड़े। इसकी एनएसई की वृद्धि में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी रही।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3.84 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह 3,84,004.73 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में शेयर बाजार में तेजी के बीच एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 3,395.94 अंक या 4.51 प्रतिशत चढ़ गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 1,023.1 अंक या 4.48 प्रतिशत के लाभ में रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा कि छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में बाजारों में मजबूत सुधार देखा गया और यह 4.5 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। उन्होंने ने कहा कि मुख्य रूप से शुल्क को टाले जाने और चुनिंदा उत्पादों पर हाल ही में दी गई छूट से बाजार में उछाल आया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

भारतीय विज्ञान संस्थान के 30 वैज्ञानिक कर रहे काम

नई सेमीकंडक्टर 'एंगस्ट्रॉम-स्केल' चिप ईजाद करने सरकार को दिया प्रस्ताव

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय विज्ञान संस्थान के 30 वैज्ञानिकों के एक दल ने सरकार को 'एंगस्ट्रॉम-स्केल' चिप विकसित करने का प्रस्ताव दिया है। ये इस समय तैयार हो रहे सबसे छोटे चिप से भी छोटे हैं। इस दल ने सरकार को '2डी मटेरियल' नामक सेमीकंडक्टर सामग्रियों के एक नए वर्ग का इस्तेमाल करके प्रौद्योगिकी विकसित करने का प्रस्ताव दिया है।

वैश्विक उत्पादन में सबसे छोटे चिप के 10वें हिस्से जितना छोटा चिप बनाया जा सकता है। इस तरह सेमीकंडक्टर में भारत का नेतृत्व विकसित हो सकता है। इस समय सेमीकंडक्टर विनिर्माण में सिलिकॉन-आधारित प्रौद्योगिकियों का प्रभुत्व है। इसका नेतृत्व अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे देश कर रहे हैं।

सौंपी परियोजना रिपोर्ट

एक सूत्र ने बताया, "आईआईएससी के वैज्ञानिकों के एक दल ने अप्रैल, 2022 में प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार को एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट सौंपी, जिसे संशोधित करके अक्टूबर, 2024 में फिर से पेश किया गया। बाद में रिपोर्ट को इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के साथ साझा किया गया। इस परियोजना में एंगस्ट्रॉम-स्केल चिप विकसित करने की बात कही गई है, जो आज तैयार हो रहे सबसे छोटे चिप्स से भी छोटे हैं।"

500 करोड़ रुपए देने का अनुरोध

आईआईएससी के नेतृत्व वाले प्रस्ताव में अगली पीढ़ी के सेमीकंडक्टर के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए पांच वर्षों में लगभग 500 करोड़ रुपए की राशि देने का अनुरोध किया गया है। इस परियोजना में प्रारंभिक वित्तपोषण चरण के बाद आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए एक मसौदा भी दिया गया है।

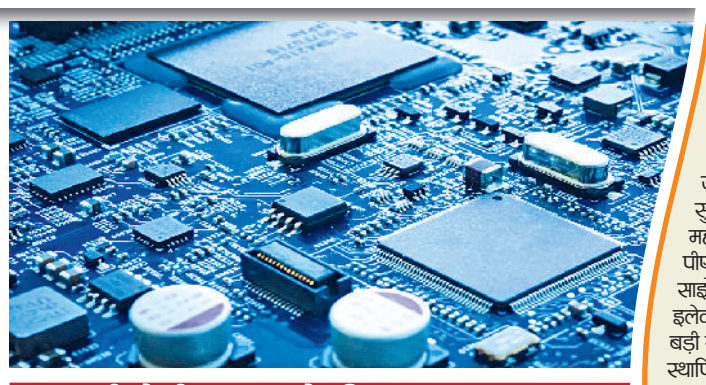

2डी सेमीकंडक्टर के विकास का प्रस्ताव

डीपीआर में ग्रेफीन और ट्रांजिशन मेटल डाइक्वेलकोजेनाइड्स जैसी बेहद बारीक सामग्रियों का उपयोग करके 2डी सेमीकंडक्टर के विकास का प्रस्ताव है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के सूत्रों ने पुष्टि की है कि इस प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है।एक अधिकारी ने कहा, "मेइटी इस परियोजना के बारे में सकारात्मक है। मेइटी के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार और सचिव ने इस पर बैठकें की हैं। मेइटी ऐसे इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोगों की खोज कर रहा है, जहां इस तकनीक को लागू किया जा सकता है।"

सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए विदेशों पर निर्भर

भारत इस समय सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए विदेशी कंपनियों पर बहुत अधिक निर्भर है। यह एक ऐसी प्रौद्योगिकी है, जो आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा, दोनों लिहाज से महत्वपूर्ण है। ताइवान के पीएसएमसी के साथ साझेदारी में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स देश की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर परियोजना स्थापित कर रही है। इसमें 91,000 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। इस परियोजना को भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत मंजूरी दी गई है और यह सरकार से 50 प्रतिशत पूंजी सहायता के लिए पात्र है।

भारतीय खिलौना विनिर्माता 'सुनहरे अवसर' का लाभ उठाने को तैयार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के खिलौना निर्यातक अमेरिका द्वारा चीन के आयात पर लगाए गए भारी शुल्क तथा चीनी वस्तुओं पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए वैकल्पिक बाजारों पर नजर रखने वाले अमेरिकी खरीदारों की बढ़ती पूछताछ से उभरने वाले 'सुनहरे अवसर' का लाभ उठाने की तैयारी कर रहे हैं। भारतीय खिलौना संघ ने अनुपालन जरूरतों को पूरा करते हुए अमेरिकी बाजार में निर्यात करने की क्षमता रखने वाली लगभग 40 कंपनियों को चिह्नित किया है। संघ के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि वर्तमान में, लगभग 20 कंपनियां अमेरिकी बाजार में भारी मात्रा में खिलौनों का निर्यात करती हैं। उन्होंने कहा, हमें पिछले एक महीने में अमेरिकी खिलौना खरीदारों से अधिक पूछताछ मिल रही है। कुछ भारतीय निर्यात घरानों ने भी हमसे संपर्क किया है और उन विनिर्माताओं की सूची मांगी है ।

अमेरिका का खिलौना बाजार

जीएमआई रिसर्च के अनुसार, अमेरिका का खिलौना बाजार 2024 में 42.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया और 2032 में इसके 56.9 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह 2025-2032 तक 3.6 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर से बढ़ेगा, जो शैक्षिक और संवादात्मक खिलौनों के प्रति उपभोक्ताओं की वरीयताओं में बदलाव से प्रेरित है।

भारत को होगा फायदा: अग्रवाल ने कहा, अमेरिका खिलौनों के लिए एक बड़ा बाजार है और अगर चीन पर उच्च शुल्क लगाया जाए और भारत पर कम शुल्क लगाया जाए तो हमें फायदा होगा।खिलौना क्षेत्र में भारत की करीब 20 कंपनियां पहले से ही अमेरिका को भारी मात्रा में निर्यात कर रही हैं।

गोयल की लंदन, ओस्लो ब्रसेल्स की यात्राएं 28 से

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की लंदन, ओस्लो और ब्रसेल्स की संभावित यात्राएं 28 अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने बताया कि इन शहरों की पांच दिवसीय यात्रा का उद्देश्य ब्रिटेन, नॉर्वे और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ भारत के व्यापार और निवेश संबंधों को और बढ़ावा देना है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **श्री राम पुत्रः** राजा राम **पताः** गांव खोजी की पुर जिला अंबाला (एचआर), ने **FIR No. 478/17 , U/s 174 A IPC थानाः राजौरी गार्डन दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **श्री राम,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **श्री राम,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 478/17 , U/s 174 A IPC थानाः राजौरी गार्डन दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **श्री राम,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री शशांक नंदन भट्ट
जेएमएफसी–02 पश्चिम
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/4967/WD/2025
(Court Matter)

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भारत ने 9 एनईएलपी बोली दौर में 36 अरब डॉलर का निवेश जुटाया

नई दिल्ली। भारत ने 2014 से पहले आयोजित नौ एनईएलपी बोली दौरों से 36 अरब डॉलर से अधिक का निवेश आकर्षित किया है, और अब तक 177 तेल और गैस खोजें की हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा तैयार की गई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एनईएलपी के तहत, अधिकतम खोज का वादा करने वाले बोलीदाताओं को ब्लॉक प्रदान किए गए, जिससे उन्हें सरकार के साथ लाभ साझा करने से पहले खोजे गए और उत्पादित तेल और गैस से निवेश की वसूली करने की अनुमति मिल सके। साल 2016 में इसे राजस्व-साझाकरण मॉडल द्वारा प्रतिस्थापित किया गया, जहां ब्लॉक उन कंपनियों को दिए जाते हैं जो सरकार को उत्पादन का सबसे अधिक हिस्सा प्रदान करते हैं। साल 1999 और 2010 के बीच एनईएलपी के नौ बोली दौर में दिए गए 254 ब्लॉकों ने अन्वेषण में 17.6 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया, जिसके परिणामस्वरूप 67 तेल और 110 गैस खोज की गईं। उनमें से कुछ खोजों के विकास में 18.64 अरब डॉलर का निवेश हुआ।

- अधिकतम खोज का वादा करने वाले बोलीदाताओं को ब्लॉक प्रदान किए गए

कब्जा सूचना-(अचल सम्पत्ति हेतु) नियम 8-(1)

चूंकि, प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के प्रवर्तन और वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रत्याभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत आईआईएफएल होम फाइनैंस लिमिटेड (पूर्व में इंडिया इंफोलाइन हाउसिंग फाइनैंस लि. के रूप में जानी जाती) (आईआईएफएल एचएफएल) का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते और अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमों, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये कम्पनी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा यहां नीचे वर्णित कर्जदार / सह-कर्जदारों को राशि का पुनर्भुगतान करने के लिए एक डिमांड नोटिस जारी किया गया था, कर्जदार को और आम जन को सामान्यतः एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों की धारा 13 (4) के तहत उनको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा ले लिया है। कर्जदार को विशेषतः और आमजन को सामान्यतः एतद द्वारा सम्पत्ति के साथ डील नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई भी डीलिंग उस पर ब्याज सहित यहां नीचे वर्णितानुसार राशि के लिये आईआईएफएल एनएफएल की वसूली के अधीन होगी।

"कर्जदार का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की तरफ आमंत्रित किया जाता है, यदि कर्जदार बिक्री अथवा हस्तांतरण के लिये निर्धारित तिथि से पूर्व किसी भी समय सभी लागतों, हुये परिव्ययों और व्यय सहित "आईआईएफएल एनएफएल" को देय भुगतान कर देता है, प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों को "आईआईएफएल एनएफएल" द्वारा बेचा अथवा हस्तांतरित नहीं किया जाएगा और प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों के हस्तांतरण अथवा बिक्री हेतु "आईआईएफएल एचएफएल" द्वारा आगे कोई कदम नहीं उठाया जाएगा।"

कर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों) का नाम	प्रत्याभूत परिसम्पत्ति (अचल सम्पत्ति) का वर्णन	कुल बकाया देय (रु.)	डिमांड नोटिस की तिथि	कब्जे की तिथि
श्री अमित, मानिक ट्रेडर्स, श्रीगती रोनिया, (प्रोस्पैक्ट नं. 855991)	समालखा (नगर पालिका समालखा के अंदर) तहसील समालखा व जिला पानीपत में स्थित खेवट नं. 951, क्षेत्रफल माप 1170 वर्गफुट, खसरा नं. 40//10/1 (7-5), इसका 5/168 हिस्सा अर्थात 4 मरले 3 सरसाई में निहित सम्पत्ति प्लॉट के सभी भाग व हिस्से।	रु. 13,71,700/- (रुपये तेरह लाख इकहत्तर हजार सात सौ केवल)	02-फर.-2022	16-अप्रैल-2025

अधिक विवरण हेतु कृपया प्राधिकृत अधिकारी से शाखा कार्यालय : 1176/3, प्रथम तल, नवल सिनेमा के सामने, जी.टी. रोड, पानीपत-132103 अथवा कॉर्पोरेट कार्यालय : आईआईएफएल टावर, प्लॉट नं. 98, उद्योग विहार, फेज-IV, गुड़गांव, हरियाणा में सम्पर्क करें।

स्थान : हरियाणा, दिनांक : 21.04.2025 हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, कृते आईआईएफएल होम फाइनैंस लि.

THE HARYANA STATE COOPERATIVE SUPPLY AND MARKETING FEDERATION LIMITED
District Office Hafed, Jind Road Kaithal (HARYANA)
TEL: 01746-222626, E-Mail: dmhfdktl@hry.nic.in
HAFED

Corrigendum

A corrigendum has been issued on account of Short Term E-Tender Notice of M/s. Jovial Stainless Steel Godown, Kutubpur Road Kaithal for labour work was published on 19.04.2025 on E-Tender, Haryana vide Id-2025_HBC_441481_1 for two year i.e. 01.04.2025 to 31.03.2027 may be treated as one year i.e. 01.04.2025 to 31.03.2026 instead of 01.04.2025 to 31.03.2027.

Sd/- DISTRICT MANAGER, HAFED, KAITHAL

राशिफल

मेष वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

वृष धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

मिथुन माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

कर्क आत्मवशिवास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

सिंह पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

कन्या स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवशिवास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा।पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं।

तुला वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

धनु कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवशिवास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कुंभ कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स ने दी जानकारी

वाहन निर्यात 19 प्रतिशत बढ़कर 53.63 लाख इकाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विदेशी बाजारों में यात्री, दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की मजबूत मांग के कारण बीते वित्त वर्ष (2024-25) में भारत का कुल वाहन निर्यात 19 प्रतिशत बढ़कर 53 लाख इकाई से अधिक रहा है। बीते वित्त वर्ष में कुल वाहन निर्यात 53.63 लाख (53,63,089) इकाई रहा, जबकि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष यह 45 लाख (45,00,494) इकाई था। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स ने यह जानकारी दी है। पिछले वित्त वर्ष में

यात्री वाहनों का निर्यात 15 प्रतिशत बढ़कर 7,70,364 इकाई हो गया, जबकि 2023-24 में यह 6,72,105 इकाई था। उद्योग निकाय सियाम ने कहा कि भारत में बनने वाले वैश्विक मॉडल की मांग के कारण इस खंड ने पिछले वित्त वर्ष में अपना सर्वश्रेष्ठ वार्षिक प्रदर्शन दर्ज किया। सियाम ने कहा कि विनिर्माण गुणवत्ता में सुधार के साथ, कुछ कंपनियों ने विकसित बाजारों में निर्यात भी शुरू कर दिया है। सियाम ने कहा कि नए मॉडल और नए बाजारों ने दोपहिया वाहनों के निर्यात के दायरे को बढ़ाने में मदद की है। इसके अलावा अफ्रीकी क्षेत्र में आर्थिक स्थिरता और लातिनी अमेरिका में मांग ने इस वृद्धि को समर्थन दिया है। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में तिपहिया वाहनों के निर्यात में दो प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 3.1 लाख इकाई रहा।

नए मॉडल और नए बाजारों बढ़ी बिक्री

शब्द पहेली - 5843

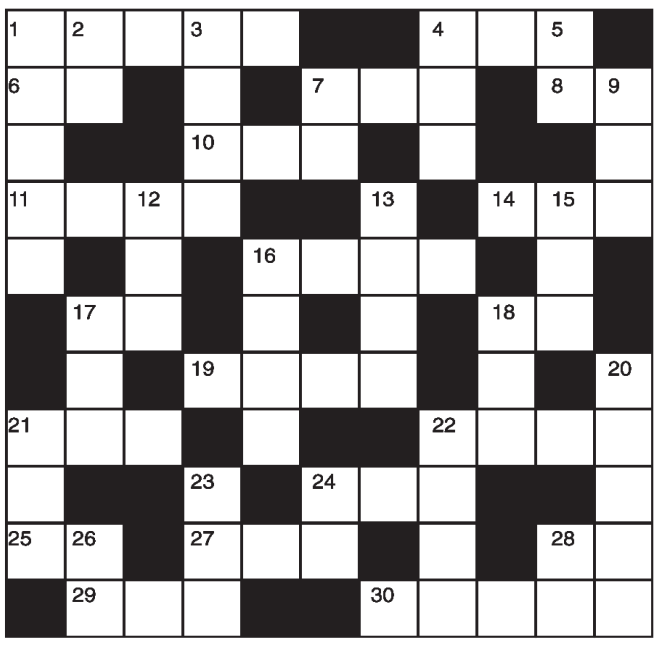

बाएँ से दाए
1. असह्य, नागवार-5
4. कली-3
6. पराया, पंख-2
7. समुद्र-3
8. पिता की बहन-2
10. चौकसी, सुरक्षा-3
11. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14. छल, धोखा-3
16. पक्षी, उड़ने वाला-4
17. उम्मीद-2
18. दौरा, पहरेदारी-2
19. धारण करना-4
21. आफत, मुसीबत-3
22. विदिर्ण-2,2
24. प्रकाशित-3
25. बल, जान-2
27. रसदार-3
28. जगत, दुनिया-2
29. नग, मूल्यवान पत्थर-3
30. तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे
1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र, राधेय-3
5. वश, अधीन-2
7. संपूर्ण, पूर्ण-2
9. शिकार-3
12. असली, शुद्ध-3
13. हठ करना, रोना -4
15. हारा हुआ, पराजित-3
16. मशवरा, सलाह-4
17. विश्राम-3
18. अभिमान-3
20. भयभीत होना-2,3
21. संभवतः-3
22. टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23. तरना, स्वीमिंग-3
24. इसे मकड़ी बुनती है-2
26. जी, चित-2
28. संपत्ति-2

शब्द पहेली - 5842 का हल

	अ	ह	म	क		जा	य	दा	द	
ल		क	म	र		न	म	न		अ
व	स		ता	त		का	ज		हा	र
कु	ली	न		ल	ह	र		रा	ज	मा
श	ब	न	म		म		आ	स	मा	न
			सा	फ	स	फा	ई			
अ	च	र	ज		फ		ना	ला	य	क
व	म	न		ह	र	म		ल	की	र
ता	न		स	जा		हा	र		न	त
र		क	र	म		व	ज	न		ब
	ग	फ	ल	त		त	क	दी	र	

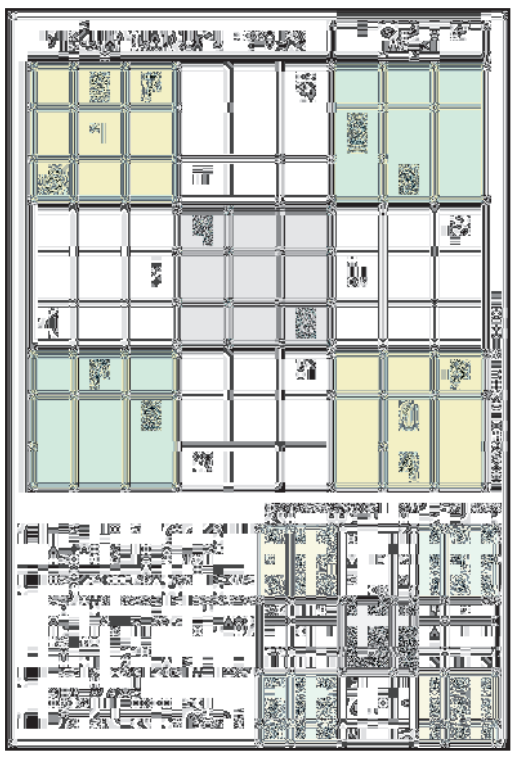

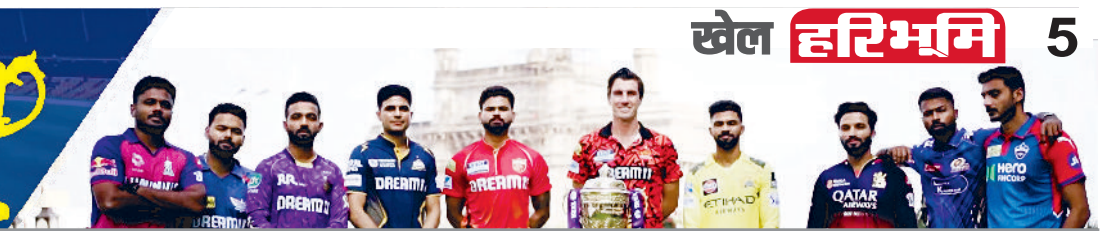

गुजरात के खिलाफ आज कोलकाता के बल्लेबाजों को दिखाना होगा दम

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

मौजूदा चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स को इंडियन प्रीमियर लीग में अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज गुजरात टाइटंस के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में अपने बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

कोलकाता की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने पिछले मैच में 112 रन के लक्ष्य काफी अच्छा करते हुए 95 रन पर आउट हो गई थी। उसका टीम प्रबंधन बल्लेबाजों की इस खराब प्रदर्शन से निश्चित रूप से चिंता में होगा। कोलकाता ने हालांकि अपने पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर को फिर से अपने टीम प्रबंधन से जोड़ा है। वर्तमान में सात मैचों में छह अंक हैं और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए उसे अपने शेष सात मैचों में से कम से कम पांच मैच जीतने की जरूरत है।

फार्म में नहीं बल्लेबाज

नायर ने पहले ही उप-कप्तान वेंकटेश अय्यर और रमनदीप सिंह जैसे बल्लेबाजों के साथ काम करना शुरू कर दिया है जो इस सत्र की दो कमजोर कड़ी हैं। इस सत्र में 23.75 करोड़ रुपए के साथ टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी अय्यर ने 24.20 की औसत से केवल 121 रन बनाए हैं, जबकि रमनदीप छह पारियों में सिर्फ 29 रन ही बना पाए हैं। आंद्रे रसेल के नाम पांच पारियों में सिर्फ 34 रन दर्ज हैं, जबकि रिंकू सिंह ने 38.66 की औसत से 116 रन बनाए हैं।

घरेलू फिच का नहीं मिल रहा फायदा

मैच के लिए दो पिचें तैयार की गई हैं और एक में घास की अतिरिक्त परत है जिसे काटा नहीं गया है। पिच को लेकर फैसला टीम की रणनीति पर आधारित होगा। कोलकाता का टीम प्रबंधन पहले भी पिच को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त कर चुका है क्योंकि टीम को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा नहीं मिल रहा है।

रहाणे ने बनाए 221 रन

बल्लेबाजों में केवल कप्तान अजिंक्य रहाणे (221 रन, 2 अर्द्धशतक) और युवा अंगकृष रघुवंशी (170 रन) ने ही अच्छा प्रदर्शन किया है। शीर्ष क्रम में क्विंटन डी कॉक और सुनील नारायण ने कुछ मैच में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई है लेकिन उनके प्रदर्शन में ही निरंतरता का अभाव है।

गुजरात के गेंदबाज और बल्लेबाज ढा रहे कहर

शुभमन गिल की अगवाई वाले गुजरात टाइटंस ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। इस सत्र में उसे अभी तक केवल दो मैच में हार का सामना करना पड़ा है। उसके गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया है जिनमें तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (14 विकेट) और बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर (11 विकेट) ने उसकी जीत में अहम भूमिका निभाई है। बल्लेबाजी विभाग में सलामी बल्लेबाज बी साई सुदर्शन (365 रन) ऑरेंज कैप धारक निकोलस पूरन से सिर्फ तीन रन पीछे हैं, जबकि जोस बटलर (315 रन, औसत 63.00) नंबर तीन पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

खास खबर

ओस्टापेंको और सबालेंका ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

स्टटगार्ट। जेलेना ओस्टापेंको ने दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियाटेक पर अपना दबदबा जारी रखकर पोर्श ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ओस्टापेंको ने क्ले-कोर्ट पर खेले जाने वाली इस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में 6-3, 3-6, 6-2 से जीत हासिल की और चार बार की फ्रेंच ओपन चैंपियन स्वियाटेक के खिलाफ अपने रिकॉर्ड को 6-0 तक पहुंचा दिया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा से होगा, जिन्होंने तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-0, 6-4 से हराया। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने आखिरकार स्टटगार्ट में अपना पहला मैच खेला और अपनी पूर्व युगल जोड़ीदार एलिस मर्टेंस को 6-4, 6-1 से हराया। सबालेंका को पहले राउंड में बाई और दूसरे राउंड में वॉकओवर मिला था। उनका अगला मुकाबला जैस्मीन पाओलिनी से होगा, जिन्होंने अपने करियर में पहली बार कोको गॉफ को 6-4, 6-3 से हराया।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	7	5	2	10
दिल्ली	7	5	2	10
बेंगलुरु	8	5	3	10
पंजाब	8	5	3	10
लखनऊ	8	5	3	10
मुंबई	8	4	4	8
कोलकाता	7	3	4	6
राजस्थान	8	2	6	4
हैदराबाद	7	2	5	4
चेन्नई	8	2	6	4

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
368 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
14 विकेट
गुजरात

खबर संक्षेप

करीबी हार को पचाना मुश्किल : बहुतुले

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने स्वीकार किया कि इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार दो करीबी मैच हारना टीम के लिए मुश्किल भरा रहा है, लेकिन उन्होंने कहा कि इससे टीम में किसी तरह की घबराहट की कोई भावना नहीं है। रॉयल्स की टीम शनिवार रात लखनऊ सुपर जाइंट्स से दो रन से हार गई, जबकि उसने अपना पिछला मैच भी दिल्ली कैपिटल्स से सुपर ओवर में गंवा दिया था। आठ मैचों में सिर्फ दो जीत के साथ, राजस्थान अंक तालिका में आठवें स्थान पर है।

लोकपाल के आदेश के खिलाफ अदालत जाऊंगा

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के उत्तरी स्टैंड से उनका नाम हटाने के हैदराबाद क्रिकेट संघ के लोकपाल के आदेश पर रोक लगाने के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की योजना बना रहे हैं। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) वी ईश्वरैया ने एचसीए की सदस्य इकाइयों में से एक लॉर्ड्स क्रिकेट क्लब द्वारा दायर याचिका के आधार पर यह निर्णय लिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि अजहरुद्दीन ने मनमाने फैसले लेकर तत्कालीन एचसीए अध्यक्ष के रूप में अपने पद का दुरुपयोग किया। न्यायमूर्ति ईश्वरैया एचसीए के आचरण अधिकारी भी हैं।

एशियाई चैंपियनशिप में भारत का दमदार आगाज

अम्मान। भारत ने एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में हार्दिक दहिया और रुद्राक्ष सिंह की जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। अंडर-15 लड़कों के वर्ग में हार्दिक (43 किग्रा) ने शनिवार को किर्गिस्तान के कुबनिचबेक बोलुशोव को 5-0 से हराया। रुद्राक्ष (46 किग्रा) ने इसके बाद मंगोलिया के इब्राहिम मराल को 5-0 से आसानी से हराया। यह पहली प्रतियोगिता है जिसका आयोजन एशियाई मुक्केबाजी कर रहा है।

आईपीएल : कोहली 73 रन पर नाबाद

'फिरकी' और तूफानी बल्लेबाजी से हारे किंग्स, घर से बाहर बेंगलुरु की 5वीं जीत

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां पंजाब किंग्स को फिरकी गेंदबाजी में फंसाकर सात विकेट से हरा दिया। यह बेंगलुरु की घर से बाहर पांचवीं जीत है। पंजाब के 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल के बीच दूसरे विकेट की 103 रन की तूफानी साझेदारी से सात गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 159 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। इस जीत के साथ आरसीबी की टीम पंजाब किंग्स सहित उन पांच टीम में शामिल हो गई जिन्होंने अब तक सर्वाधिक 10 अंक जुटाए हैं।

बेंगलुरु से विराट कोहली ने 73 और देवदत्त पडिक्कल ने 61 रन बनाए। कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा 67 बार 50 प्लस स्कोर बनाने वाले प्लेयर बने। उन्होंने डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ा। बेंगलुरु ने 19वें ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर ही टारगेट हासिल कर लिया। क्रुणाल पंड्या और सुयश शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। पंजाब से अर्शदीप सिंह, हरप्रीत बरार और युजवेंद्र चहल को 1-1 विकेट मिला।

पडिक्कल 61 रन पर आउट

आरसीबी ने 13वें ओवर में दूसरा विकेट गंवाया। हरप्रीत बरार ने ओवर की तीसरी बॉल गुड लेंथ पर फेंकी। देवदत्त पडिक्कल ने आगे निकलकर बड़ा शॉट खेला, लेकिन लॉन्ग ऑन पर कैच हो गए। पडिक्कल ने 61 रन बनाए, उन्होंने विराट कोहली के साथ 103 रन की पार्टनरशिप भी की।

हिसाब किया बराबर

आरसीबी ने पंजाब से अपना हिसाब बराबर कर लिया। पंजाब ने एक दिन पहले आरसीबी को उसके ही घर एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मात दी थी। अब आरसीबी ने पंजाब को उसके घर में मात दी है। ये आरसीबी की इस सीजन घर से बाहर लगाकर पांचवीं जीत है।

फिरकी में फंसे पंजाबी

पंजाब किंग्स ने छह विकेट पर 157 रन बनाए। बाएं हाथ के स्पिनर कृणाल पंड्या और लेग स्पिनर सुयश शर्मा की फिरकी के सामने पंजाब की टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और उसका कोई बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाया। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 33 रन बनाकर पंजाब के शीर्ष स्कोरर रहे जबकि शशांक सिंह ने नाबाद 31 रन बनाए। जोश इंग्लिस (29), मार्को यानसेन (नाबाद 25) और प्रियांश आर्य (22) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं।

स्कोर बोर्ड

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
प्रियांश का डेविड बो कृणाल	22	15	3	1
प्रभसिमरनका डेविड बो कृणाल	33	17	5	1
अय्यर का कृणाल बो शेफर्ड	06	10	1	0
जोश इंग्लिस बो सुयश	29	17	2	1
निहाल वढेरा रन आउट	05	06	0	0
शशांक सिंह नाबाद	31	33	1	0
मार्कस स्टोइनिस बो सुयश	01	02	0	0
मार्को यानसेन नाबाद	25	20	0	2

अतिरिक्त : 05, कुल : 20 ओवर में 157/6
गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-26-0, दयाल 2-0-22-0, हेजलवुड 4-0-39-0, कृणाल 4-0-25-2, शेफर्ड 2-0-18-1, सुयश 4-0-26-2.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रन	गेंद	4	6
विराट कोहली नाबाद	73	54	7	1
सॉल्ट का इंग्लिस बो आर्शदीप	01	03	0	0
पडिक्कल का वढेरा बो हरप्रीत	61	35	5	4
पाटीदार का यानसेन बो चहल	12	13	1	0
जितेश शर्मा नाबाद	11	08	0	1

अतिरिक्त : 01, कुल : 18.5 ओवर में 159/3
गेंदबाजी : आर्शदीप 3-0-26-1, बार्टलेट 3-0-28-0, हरप्रीत 4-0-27-1, यानसेन 3-0-20-0, चहल 4-0-36-1, स्टोइनिस 1-0-13-0, वढेरा 0.5-0-9-0.

रोहित और सूर्यकुमार छाए मुंबई नौ विकेट से जीता

एजेंसी ▶▶|मुंबई

मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा (नाबाद 76 रन) और सूर्यकुमार यादव (नाबाद 68 रन) के नाबाद अर्धशतकों तथा दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 54 गेंद में 114 रन की अटूट साझेदारी से रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) एकतरफा मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। मुंबई इंडियंस इस जीत से आठ अंक लेकर कोलकाता नाइटराइडर्स को हटाकर तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई जबकि चेन्नई सुपर किंग्स चार अंक से अंतिम स्थान पर बनी रहेगी। रोहित ने 45 गेंद की पारी के दौरान चार चौके और छह छक्के जड़कर फॉर्म में वापसी की जबकि सूर्यकुमार ने 30 गेंद खेलते हुए छह चौके और पांच छक्के जमाकर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। मुंबई इंडियंस ने रोहित और सूर्यकुमार के तूफान से चेन्नई सुपर किंग्स के 176 रन के लक्ष्य को 15.4 ओवर में एक विकेट पर 177 रन बनाकर हासिल कर लिया। इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स रविंद्र जडेजा (नाबाद 53 रन) और शिवम दुबे (50 रन) के अर्धशतकों की मदद से पांच विकेट 176 रन के स्कोर तक पहुंची।

शानदार लय में दिख रहे रोहित ने 33 गेंद में दो चौके और चार छक्के लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया जबकि सूर्यकुमार यादव ने 26 गेंद में छह चौके और दो छक्के से 50 रन पूरे किए और टीम को आसानी से जीत तक पहुंचा दिया। रोहित ने रेयान रिकलटन (24 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 40 गेंद में 63 रन की साझेदारी निभाकर शुरूआत की। इन दोनों ने चेन्नई सुपर किंग्स की एक नहीं चलने दी जो इनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के सामने बेबस नजर आए। रविंद्र जडेजा ने एकमात्र विकेट झटका।

निशानेबाजी विश्व कप

बाबुता 0.1 अंक से स्वर्ण से चूके, तीसरे स्थान पर भारत

एजेंसी ▶▶| लीमा

पेरिस ओलंपिक में भाग ले चुके भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता यहां आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि आर्या बोरसे महिलाओं की स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहीं।

पिछले साल पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे बाबुता (252.3) रोमांचक फाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ (252.4) से सिर्फ 0.1 अंक से हार गए। विश्व कप में 40 से अधिक पदक जीत चुके हंगरी के निशानेबाज इस्तवान पेनी ने 229.8 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। फाइनल में कई स्टार निशानेबाज पहुंचे थे जिनमें मौजूदा विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन, नॉर्वे के जॉन-हरमन हेग और भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल शामिल थे।

भारत के पास दो पदक जीतने का मौका था, लेकिन दुर्भाग्य से तकनीकी खराबी के कारण पाटिल को जूरी ने अपना 11वां शॉट नहीं लेने दिया। इस तरह से यह भारतीय निशानेबाज पहले एलिमिनेशन चरण में हारकर आठवें स्थान पर रहा।

संधू और प्रगति की शानदार शुरुआत

पुरुष ट्रैप में अनुभवी जोरावर संधू और महिलाओं की स्पर्धा में प्रगति दुबे ने 25-25 के पहले राउंड में शानदार शुरुआत की। जोरावर तीन राउंड के बाद 70 के स्कोर के साथ 21वें स्थान पर जबकि उनकी टीम के साथी पृथ्वीराज टोंडिमन और लक्ष्य श्योराण 69 के स्कोर के साथ क्रमशः 24वें और 25वें स्थान पर हैं। महिलाओं में राष्ट्रीय चैंपियन भव्या त्रिपाठी 69 (24,22,23) अंकों के साथ भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान जबकि प्रगति 68 अंकों के साथ नौवें स्थान पर हैं। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी नीरू 18वें स्थान पर हैं।

वैभव सूर्यवंशी : 10 साल की उम्र में हर दिन खेला 600 गेंद, 150 किमी थ्रोडाउन कर चमका बिहार का हीरा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चौदह साल की उम्र में आईपीएल में शनिवार को पदार्पण करने वाले वैभव सूर्यवंशी ने शार्दुल ठाकुर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर दुनिया को चौंका दिया। ऐसी प्रतिभा रातों-रात नहीं बनीं, इस अविश्वसनीय कहानी की नींव तब पड़ी जब उनके पिता संजीव सूर्यवंशी ने अपने बेटे के क्रिकेट सपनों को पूरा करने के लिए अपनी खेती की जमीन बेच दी। इसे आगे बढ़ाते हुए पटना के क्रिकेट कोच मनीष ओझा ने इस विशेष प्रतिभा को पहचाना और सुनिश्चित किया कि 10 साल के वैभव को हर दिन कम से कम 600 गेंदों का सामना करने का मौका मिले ताकि जब भी मौका मिले, वह बड़ी चुनौती के लिए तैयार रहे। फिर बिहार क्रिकेट संघ ने वैभव का समर्थन किया और उसे रणजी ट्रॉफी में जगह दिलाई। तिलक नायडू की अध्यक्षता में अंडर-19 राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने उसे 'कोल्ट टेस्ट क्रिकेट' में पहुंचाया। और अंत में राजस्थान रॉयल्स के राहुल द्रविड़ और जुबिन भरुचा ने आईपीएल की शुरुआत से पहले उसे 150 से अधिक की गति से साइड-आर्म थ्रोडाउन का सामना करवाकर इस अनगढ़े हीरे को चमकाने में अपना योगदान दिया।

8 वर्ष की उम्र में पहचानी काबलियत: ओझा ने अपने शिष्य के बारे में बात करते हुए कहा, 'जब वह आठ साल का था तब उसके पिता संजीव उसे मेरे पास लाए थे। हर बच्चा अलग होता है लेकिन अगर मैं उस उम्र के दूसरे लड़कों को देखता हूं तो उसे जो भी सिखाया जाता तो उसमें कार्यान्वित करने की समझ थी। उसका तरीका, बैक-लिफ्ट, कार्यान्वयन, इरादा, सभी हमेशा तालमेल में रहते थे।'

चर्चा में 14 वर्षीय वैभव

जब आम 14 वर्षीय बच्चे प्लेस्टेशन खेलने और 'होमवर्क' करने में व्यस्त होते हैं, तब बिहार के समस्तीपुर के इस किशोर ने शार्दुल ठाकुर जैसे कई टेस्ट खेलने वाले अनुभवी खिलाड़ी की गेंद को सवाई मान सिंह स्टेडियम के स्टैंड में पहुंचा दिया जिससे हजारों लोग हैरान रह गए। आईपीएल की दुनिया में 20 गेंद पर 34 रन बनाना आम बात है, लेकिन अगर बल्लेबाज अभी किशोरावस्था में है तो प्रशंसक राजस्थान रॉयल्स के 1.10 करोड़ रुपये के खिलाड़ी के बारे में अधिक जानना चाहेंगे।

बल्ले की स्विंग और सही टाइमिंग से ठोके तीन सिक्स

14 वर्षीय खिलाड़ी अपने स्ट्रोक्स में इतनी ताकत कैसे पैदा कर सकता है कि उसने शीर्ष स्तर के आक्रमण का सामना करते हुए एक बार नहीं बल्कि तीन बार गेंद को स्टैंड में भेजा? कोच ने कहा, 'आप लोगों ने उसके शॉट में ताकत देखी। बल्ले की स्विंग और सही टाइमिंग देखी। अगर छक्का मारने के लिए ताकत ही एकमात्र मानदंड होता तो पहलवान क्रिकेट खेलते। यह पांच साल की ट्रेनिंग है जिसमें हर दिन 600 सौ गेंदें खेली जाती हैं। अकादमियों में अन्य लड़के शायद एक दिन में 50 गेंदें खेलते हैं। मैंने वैभव के ट्रेनिंग सत्रों के लगभग 40 वीडियो यूट्यूब पर अपलोड किए हैं। आप देखेंगे कि उसका बल्ले का स्विंग युवराज सिंह जैसा है।

यॉर्कर मेरी सर्वश्रेष्ठ गेंद फेंकना जारी रखूंगा

जयपुर। लखनऊ सुपर जायंट्स की इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स पर दो रन की रोमांचक जीत में डेथ ओवरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज आवेश खान ने कहा कि वह यॉर्कर पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे, जो मुश्किल परिस्थितियों में उनका मुख्य हथियार है। आवेश ने 18वें और 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए क्रमशः पांच और छह रन दिए, जिससे लखनऊ शनिवार रात को खेले गए मैच में आखिरी तीन ओवरों में 25 रन का बचाव करने में सफल रहा।

सात खिलाड़ियों पर भी गिरी राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी की गाज

एथलेटिक्स कोच रमेश डोपिंग मामले में निलंबित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने जूनियर राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच रमेश नागपुरी को डोपिंग में मिलीभगत के लिए निलंबित कर दिया है, जबकि सात एथलीट भी परीक्षणों से बचने के कारण निलंबित कर दिए गए हैं।

राष्ट्रीय एथलेटिक्स के लिए यह करारा झटका है क्योंकि इसके अलावा दो अन्य कोच करमवीर सिंह और राकेश को भी डोपिंग से जुड़े मामलों में निलंबित कर दिया गया है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने डोपिंग से जुड़े मामलों की जो नवीनतम सूची जारी की है उसमें

सात एथलीट पारस सिंघल, पूजा रानी, नालुबोथु शनमुगा श्रीनिवास, चेलिमी प्रतुशा, शुभम महरा, किरण और ज्योति भी शामिल हैं। इन सभी को निलंबित कर दिया गया है। 19 वर्षीय सिंघल ने 2024 में खेलो इंडिया युवा खेलों में हरियाणा के लिए लड़कों की 2,000 मीटर स्टीपलचेज़ में स्वर्ण पदक जीता था। श्रीनिवास ने 2024 में फेडरेशन कप, राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप और राष्ट्रीय ओपन चैंपियनशिप तीनों में 200 मीटर में रजत पदक जीता था। नागपुरी हैदराबाद में भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में कार्यरत थे। राष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ ने द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त नागपुरी को 2023 में जूनियर मुख्य कोच नियुक्त किया था। उन्हें 2021 के नाडा डोपिंग रोधी नियमों के अनुच्छेद 2.9 के तहत निलंबित कर दिया गया है, जो किसी खिलाड़ी या अन्य व्यक्ति द्वारा मिलीभगत या मिलीभगत का प्रयास करने से संबंधित है।

नागपुरी ने डोप टेस्ट से बचने में की मदद

सूत्रों के अनुसार, नागपुरी ने कथित तौर पर दो एथलीटों को साइ के हैदराबाद केंद्र में नाडा के डोप संग्रह अधिकारियों से परीक्षण से बचने में मदद की थी। उन्होंने महिलाओं की 100 मीटर राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक दुती चंद के अलावा 2024 पैरालिंपिक कांस्य विजेता और मौजूदा विश्व चैंपियन (400 मीटर) दीप्ति जीवनजी को प्रशिक्षित किया है। संपर्क करने पर नागपुरी ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। एएफआई अधिकारियों ने भी यह कहते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि यह नाडा से जुड़ा मामला है और उसे ही इससे निपटना है। यह पहली बार नहीं है कि किसी एथलेटिक्स कोच को डोपिंग से संबंधित अपराधों के लिए दंडित किया गया है।

चिंतन

सांसद अपनी मर्यादा में टिप्पणी करें तो अच्छा

हस्तक्षेप
विनोद पाठक

सांसदों को अपनी गरिमा, मर्यादा और अपने संवैधानिक दायरे में ही काम करना और बोलना चाहिए। किसी फैसले से या किसी व्यक्ति से व्यक्तिगत नाराजगी प्रकट करने का तरीका यह नहीं है कि आपकी भाषा इतनी तल्ख हो जाए कि आप उन पदों का अपमान ही करने लगें। झारखंड के गोड्डा से भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट, सीजेआई और पूर्व चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी को लेकर जिस तरह के शब्द प्रयोग किए हैं, वे कहीं से भी संसदीय आचरण के दायरे में नहीं हैं। आप चाहें संसद में बोलें या संसद के बाहर या किसी टीवी शो में, आप सांसद हैं और आप संवैधानिक दायरे से बंधे हुए हैं। बेशक भाजपा ने सांसद दुबे के बयान से पार्टी को अलग कर लिया है, लेकिन पार्टी ने अभी तक निशिकांत दुबे को चेतावनी तक नहीं दी है। पूर्व में कई बयानवीर भाजपा नेताओं ने कई अवसर पर अपने अनर्गल व अनावश्यक बयानों से पार्टी का नुकसान कराया है, इसलिए भाजपा को अपने सभी नेताओं को क्या बोलें, क्या नहीं बोलें, इसके लिए एक गाइडलाइन जरूर बनानी चाहिए। इसके साथ ही बयानवीर नेताओं पर एक्शन भी लेना चाहिए। अभी देश में दो मसले सुप्रीम कोर्ट में हैं। एक वक्फ संशोधन अधिनियम को चुनौती और दूसरा तमिलनाडु में सरकार बनाम राज्यपाल के बीच टकराव की स्थिति। वक्फ संशोधन अधिनियम संबंधी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने दो दिन सुनवाई की है और आगे भी सुनवाई होगी। यह एक प्रक्रिया से हो रही है। अदालत अपना काम कर रही है, इसलिए किसी को भी अधीर होने की जरूरत नहीं है। वक्फ संशोधन अधिनियम के बाद पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुए दंगे को रोकना राज्य सरकार का काम है, इसमें कोर्ट की कहीं से भी भूमिका नहीं है। सरकार जब कोई कानून बनाती है या संशोधन करती है, तो इसके परिणाम के लिए उसको तैयार रहने की जरूरत है। अगर सरकार वक्फ संशोधन अधिनियम के मामले में भी संवेदनशील क्षेत्र में सख्ती रखती तो मुर्शिदाबाद जैसी घटना नहीं होती। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी सरकार को पहले अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए, फिर राजनीति करनी चाहिए। सरकार में पदासीन रहते हुए अपना दायित्व निभाने के बजाय राजनीति करने से संविधान की शपथ का उल्लंघन होता है। ऐसे ही तमिलनाडु में राज्यपाल चुनी हुई सरकार के विधेयकों को नियम के दायरे में सकारात्मक भाव से लौटा सकते हैं, असीमित समय के लिए राज्यपाल किसी विधेयक पर कुंडली नहीं मार सकते हैं। सोचने वाली बात है कि एक सरकार को राज्यपाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा क्यों खटखटाना पड़ता है? कांग्रेस शासन में राज्यपालों ने केंद्र के एजेंट के रूप में राज्य सरकार के खिलाफ पदों का दुरूपयोग किया तो, इसका मतलब यह नहीं कि यह देश में परिपाटी ही बन जाय। भाजपा पार्टी विद डिफरेंस है तो राज्यपाल, मंत्री, सांसद, नेता के नैतिक मानकों में भी यह दिखना चाहिए। निशिकांत दुबे के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई की मांग करते हुए एक याचिका अटॉर्नी जनरल को दी गई है। हर सांसद को संविधान के अनुच्छेद-105 के तहत विशेषाधिकार प्राप्त है, लेकिन केवल जब वे संसद में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे होंगे तब। सदन के बाहर सांसद की कोई भी टिप्पणी अनुच्छेद-105 के तहत प्रोटेक्टेड नहीं है। सबको अपने कानून, संविधान, न्यायपालिका, संसद पर पूर्ण भरोसा होना चाहिए और अंतिम फैसले का इंतजार करना चाहिए।

लोकतंत्र में टकराव ठीक नहीं

तमिलनाडु सरकार की एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल और राष्ट्रपति को संविधान के अनुच्छेद 142 में दिए अधिकार का प्रयोग करते हुए तीन महीने के भीतर राज्य सरकार के बिल पास करने के आदेश दिए। सुप्रीम कोर्ट ने यहां तक कहा था कि तीन महीने के बाद यह बिल स्वत: पास मान लिए जाएंगे। उप राष्ट्रपति धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट के इसी आदेश को लेकर आपत्ति जताई है। सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति को आदेश देने से बच भी सकता था। सवाल यह है कि क्या विधायिका और न्यायपालिका में टकराव की स्थिति लोकतंत्र के लिए सुखद है? क्या संवैधानिक संस्थाओं को अपने लिए एक लक्ष्मण रेखा निर्धारित नहीं करनी चाहिए? उप राष्ट्रपति की बातें विचार योग्य हैं।

क्या सुप्रीम कोर्ट को विधायिका के कार्य में हस्तक्षेप करना चाहिए और विधायिका को सुप्रीम कोर्ट के कार्यक्षेत्र में बाधा पहुंचानी चाहिए? यह प्रश्न इसलिए उठ रहा है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के हाल के एक फैसले को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने तल्ख टिप्पणियां की हैं। दरअसल, पिछले दिनों तमिलनाडु सरकार की एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल और राष्ट्रपति दोनों को संविधान के अनुच्छेद 142 में दिए अधिकार का प्रयोग करते हुए तीन महीने के भीतर राज्य सरकार के बिल पास करने के आदेश दिए। सुप्रीम कोर्ट ने यहां तक कहा था कि तीन महीने के बाद यह बिल स्वतः पास मान लिए जाएंगे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट के इसी आदेश को लेकर नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति को आदेश देने से बच भी सकता था। सवाल यह है कि क्या विधायिका और न्यायपालिका में टकराव की स्थिति लोकतंत्र के लिए सुखद है? क्या संवैधानिक संस्थाओं को अपने लिए एक लक्ष्मण रेखा निर्धारित नहीं करनी चाहिए? उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट को लेकर जो बातें कहीं, वह विचार योग्य हैं। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माता बहुत विवेकशील थे। वे राष्ट्र कल्याण में गहरी आस्था रखते थे। उन्होंने तीन साल से भी कम समय में 18 सत्रों तक चर्चा की। कोई टकराव नहीं हुआ। कोई गड़बड़ी नहीं हुई। कोई व्यवधान नहीं हुआ। संवाद हुआ, बहस हुई, चर्चा हुई और विचार-विमर्श हुआ। उनके पास बेहद विवादास्पद मुद्दे थे, लेकिन उन्होंने नियम बनाया। न्यायाधीशों की नियुक्ति अनुच्छेद 124 के तहत की जाएगी। इसके लिए परामर्श बोर्ड का इस्तेमाल किया जाएगा। उप राष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि उस समय अनुच्छेद 124 को लेकर डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने महत्वपूर्ण बात की थी। उन्होंने कहा था कि मुझे लगता है कि मुख्य न्यायाधीश को न्यायाधीशों की नियुक्ति पर व्यावहारिक रूप से वीटो देने का अधिकार, वास्तव में मुख्य न्यायाधीश को अधिकार हस्तांतरित करना है, जिसे हम राष्ट्रपति या तत्कालीन सरकार में निहित करने को तैयार नहीं हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह भी एक आपत्तिजनक प्रस्ताव है। इसके बावजूद वर्ष 1993 में दूसरे न्यायाधीश के मामले में न्यायालय ने परामर्श की व्यवस्था सहमति के रूप में की। धनखड़ ने पूछा, क्या ऐसा किया जा सकता है? उप राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि संसद केवल कानून बना सकती है और कार्यपालिका एवं न्यायपालिका सहित अन्य संस्थाओं को जवाबदेह बना सकती है, लेकिन निर्णय लिखना, न्याय करना न्यायपालिका का ही विशेषाधिकार है, जैसे कानून बनाना संसद का काम है। उन्होंने प्रश्न किया कि क्या हम नहीं पाते कि इस स्थिति को चुनौती दी जा रही है? कार्यकारी शासन न्यायिक आदेशों द्वारा हो रहा है। जब सरकार लोगों द्वारा चुनी जाती है तो सरकार संसद के प्रति जवाबदेह होती है। सरकार चुनाव में लोगों के प्रति जवाबदेह होती है। उप राष्ट्रपति धनखड़ का यह कहना बिल्कुल उचित प्रतीत होता है कि संसद में आप सवाल पूछ सकते हैं, क्योंकि शासन कार्यपालिका द्वारा होता है, लेकिन अगर न्यायपालिका कार्यपालिका द्वारा शासन करती है तो हम सवाल कैसे पूछ सकते हैं? चुनाव में आप किसे जवाबदेह ठहराते हैं। उनका यह कहना सही है कि अब समय आ गया है कि जब हमारी तीनों संस्थाएं,

विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका, अपना दायित्व उत्तम तरीके से निभाएं। यह राष्ट्रहित में सबसे बेहतर तरीका है। उनका यह कहना भी उचित है कि किसी अन्य के क्षेत्र में कोई भी घुसपैठ चुनौती बन जाती है, जो अच्छी बात नहीं है। यह संतुलन बिगाड़ सकता है। उप राष्ट्रपति धनखड़ ने अनुच्छेद 142 का जिक्र करते हुए यहां तक कहा कि लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ यह परमाणु मिसाइल जैसा बन गया है। यह न्यायपालिका के लिए 24 घंटे उपलब्ध है। उप राष्ट्रपति ने यह भी याद दिलाया कि न्यायाधीशों की नियुक्ति सिर्फ और सिर्फ राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और उनके विरुद्ध कार्रवाई का अधिकार करने का एकमात्र अधिकार संसद को है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम प्रतिक्रिया मोड़ में न रहें। धनखड़ का इस बात को लेकर भी चिंता जताना जायज प्रतीत होता है कि अदालत राष्ट्रपति को आदेश कैसे दे सकती है? जज सुपर संसद की तरह काम कैसे कर सकते हैं? हालांकि, यह बात भी गौर करने योग्य है कि आखिर राज्यपाल कितना समय किसी बिल को पास करने के लिए लें, क्योंकि तमिलनाडु में जिस तरह से राज्यपाल ने बिलों को लंबे समय तक रोका, उसे भी उचित नहीं ठहराया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट का यह कहना उचित है कि राज्यपाल राज्य के कैबिनेट की सलाह पर निर्णय लेते हैं। तमिलनाडु में ऐसा कतई नहीं हो रहा था। इसलिए राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। सवाल यह है कि यदि बिलों को यूं ही रोका जाएगा तो राज्य सरकार जनहित के कानून कैसे लागू कर पाएगी? वैसे, विधायिका और न्यायपालिका में टकराव कोई नई बात नहीं है। वर्ष 1973 में केशवानंद भारती केस में ऐसा हुआ था। तब सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि संसद संविधान संशोधित तो कर सकती है, लेकिन संविधान के बुनियादी ढांचे को छू नहीं सकती। उस समय तक संसद खुद को सर्वोच्च मानती थी, लेकिन कोर्ट ने उसकी शक्ति पर सीमा लगा दी थी। दो वर्ष बाद 1975 में भी इंदिरा गांधी बनाम राज नारायण केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी का चुनाव रद किया था, लेकिन संसद ने आनन-फानन में संविधान में 39वां संशोधन कर इस फैसले को निष्प्रभावी करने का प्रयास किया। इसके बाद आपातकाल के दौरान वर्ष 1975-77 के बीच संसद ने कई संविधान संशोधन किए, जिससे कोर्ट की शक्तियां सीमित की गईं। वर्ष 2015 में मोदी सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच टकराव की स्थिति बनी। सरकार ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग बनाया, ताकि जजों की नियुक्ति में पारदर्शिता हो, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार दे दिया और कॉलेजियम सिस्टम को बहाल कर दिया। जैसा, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कह रहे हैं, जज सुपर संसद बन रहे हैं तो वो बात पिछले कुछ फैसलों में दिखती है। संसद द्वारा पारित कृषि कानूनों को सुप्रीम कोर्ट ने रोक दिया था। संसद द्वारा पारित नागरिकता संशोधन कानून पर प्रदर्शनकारियों से वार्ता के लिए कमेटी बनाई थी। वर्तमान में वक्फ संशोधन कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है, जबकि यह कानून भी संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित है। ऐसे समय में उप राष्ट्रपति का न्यायपालिका पर सवाल उठाना एक महत्वपूर्ण बात है। क्या कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका को अपनी सीमाएं निर्धारित नहीं करनी चाहिए? क्या इन्हें लक्ष्मण रेखा पार करनी चाहिए? शायद लोकतंत्र के लिए यही सुखद बात होगी। यदि इन संस्थाओं के बीच टकराव की स्थिति बनती है तो अपना लोकतंत्र कमजोर होता है। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता रहे हैं। उन्हें संविधान विशेषज्ञ माना जाता है। ऐसे में उन्होंने जो सवाल उठाए हैं, उन पर गहनता से विचार-विमर्श होना चाहिए। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों पर भी गौर किया जाना चाहिए।

(लेखक पत्रकार व राजनीतिक समीक्षक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

सारा संसार

डल झील कांगड़ा जिले के तोता रानी गांव के पास स्थित एक सुरम्य झील है जिसकी गिनती हिमाचल प्रदेश की सबसे खूबसूरत झीलें (में की जाती है। यह झील पिकनिक स्पॉट के रूप में भी फेमस है जो पहाड़ों और ऊंचे देवदार के पेड़ों से घिरी हुई है।

ईश्वर अनायास ही करते हैं हमारा कल्याण

संकलित
दर्शन

मनुष्य जब कुछ चाहता है, तो उसे अभाव का अनुभव होता है; परंतु उस अभाव की पूर्ति किस वस्तु से होगी, वह इसे नहीं जानता। बस, उसे विश्वास होता है कि जिस वस्तु से मेरे अभाव की पूर्ति होगी, उसको भगवान जानते हैं और इसलिए वह उस अज्ञात वस्तु के लिए भगवान पर निर्भर करता है। जैसे छोटा शिशु बिस्तर पर पड़ा रोता है, उसे कोई कष्ट है- जाड़ा लग रहा है, मच्छर काट रहे हैं या और कोई पीड़ा है। वह यह नहीं जानता कि किस वस्तु की प्राप्ति होने पर मेरा संकट दूर होगा-वह केवल मां को जानता है और रोकर मां को बुलाता है। मां आकर स्वयं पता लगाती है कि बच्चा क्यों रो रहा है और पता लगाकर स्वयं उसके कष्ट निवारण का उपाय करती है। इसी प्रकार इस अवस्था में भक्त अपने लिए उपयोगी अज्ञात फल के लिए भगवान पर निर्भर करता है और उन्हीं की कृपा से कल्याणकारी फल को प्राप्त करके संतुष्ट होता है। इसमें फलरूप वस्तु का निर्णय भगवान करते हैं, इस दृष्टि से निर्भरता का यह स्तर ऊंचा होने पर भी सकाम भाव होने के कारण यह भी वस्तुत आंशिक ही है। इसके बाद उन भक्तों की बात है, जो केवल भगवान को ही प्राप्त करना चाहते हैं और उसके लिए भगवान पर ही निर्भर करते हैं। इनके लिए भी बिल्ली के बच्चे और छोटे शिशु के उदाहरण दे सकते हैं। ये केवल चिंतन परायण रहते हैं, उसका फल भगवान की प्राप्ति कब होगी, क्यों कर होगी- इस बात को भगवान पर ही छोड़ देते हैं, और वास्तव में यों सब कुछ भगवान पर छोड़ने वाले बड़े लाभ में ही रहते हैं।

सत्य की अनुभूति से जाग्रत होता है मन

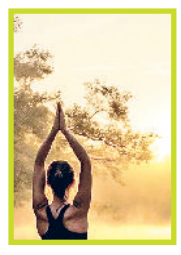

संकलित
प्रेरणा

इच्छा आकाश के समान अनंत है। सब जानते हैं कि इच्छा पूर्ण नहीं होती, अपूर्ण बनी-की-बनी रहती है। पर सच्चाई का साक्षात्कार करने वाले विरल व्यक्ति ही मिलेंगे। साक्षात्कार वही व्यक्ति कर पाता है, जिसका शुक्ल पक्ष जाग गया है। इसे समझने के लिए एक प्रसंग है। कपिल दो मासे सोने के लिए राजा के पास गया। राजा ने कहा- मांगो। अब इच्छा को खेलने के लिए अनंत आकाश मिल गया। इच्छा बढ़ती गई और पूरे राज्य को पा लेने और राजा को रंक बनाने की बात सोचकर ही शांत हुई । मोड़ आया। सच्चाई का भान हुआ। शुक्ल पक्ष जाग गया। राजा ने कहा- मांगो। कपिल बोला- क्या मांगू? कुछ है ही नहीं इस संसार में। अब मैं जा रहा हूं, उस देश में जहां मांग नहीं है, चाह नहीं है। कपिल संन्यासी बन गया। सच्चाई का साक्षात्कार होते ही मांग पूरी हो जाती है, चाह समाप्त हो जाती है। जब तक सच्चाई का अवबोध नहीं होता, तब तक मांग कभी पूरी होती ही नहीं, चाह मिटती ही नहीं। सिद्ध पुरुष ने अपने भक्त से कहा- प्रसन्न हूं। कुछ मांगो। भक्त बोला- कुछ नहीं चाहिए। सिद्ध पुरुष ने देखा, यह कैसा भक्त! अमूल्य क्षण को खो रहा है। मांगने के लिए आग्रह किया। भक्त बोला- यदि आप देना ही चाहते हैं तो यह वरदान दें कि मेरे मन में चाह उत्पन्न ही न हो, मांग रहे ही नहीं। यह तब संभव है, जब सत्य का साक्षात्कार हो जाता है। अन्यथा लोग मांग को पूरी करने के चक्कर में कितने देवी-देवताओं की मनौतियां मनाते हैं, पूजा-अर्चना करते हैं। वे कहां-कहां नहीं भटकते।

आर्थिक

डा. सपना बंसल

अर्थव्यवस्था को बनाए रखने में बुनियादी मूल्य भी जरूरी

आजकल अमेरिका और चीन का व्यापारिक युद्ध हर खासोआम के लिए चर्चा का विषय बना हुआ है। अमेरिका और चीन जो आज विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, क्या उनका यह व्यापारिक बर्ताव किसी अर्थव्यवस्था के लंबे समय तक स्थिर रूप से विकसित होने के लिए सही है, इसका उत्तर कदापि नहीं है। आज दुनिया कठिन समय से गुजर रही है। यूक्रेन और मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध के कारण निर्दोष लोगों की जाने जा रही हैं। वैश्विक वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति बाधित हो रही है। हम दुनिया भर में लोकतंत्र के मूल्यों का ह्रास होते देख रहे हैं। ऐसे नेताओं का उदय हो रहा है जिन्हें केवल अपनी सत्ता की परवाह है, आम लोगों के लिए उनके मन में कोई सहानुभूति या चिंता नहीं है। गौरतलब है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका ने विश्व को पूर्ण स्थापित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। तत्कालीन अमेरिका के 32वें राष्ट्रपति रहे फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट ने कहा था कि अमेरिका विश्व के लिए क्या कर सकता है, यह उसका कर्त्तव्य ही नहीं है अपितु मौलिक धर्म भी है, इसी उद्देश्य से अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध से प्रभावित देशों को आर्थिक और राजनीतिक सहायता भी प्रदान की। मार्शल योजना से यूरोपीय देशों को पूर्ण निर्माण और आर्थिक विकास के लिए कुल 13 बिलियन डॉलर की सहायता के तहत उसने भोजन, मशीनरी जैसी आवश्यक वस्तुएं प्रदान की, ताकि वे देश अपनी अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा कर पाएं। इन सब प्रयासों के साथ ही अमेरिका विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का संस्थापक सदस्य भी रहा था। इन संगठनों का मकसद वैश्विक स्तर पर आर्थिक स्थिरता और समृद्धि हासिल करना था। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र की स्थापना भी 24 अक्टूबर 1945 को हुई जिसमें अमेरिका ने अपनी एक अहम भूमिका निभाई और जोर दिया कि भविष्य में युद्ध को रोका जा सके। आज अमेरिका का दूसरा ही रुख देखने को मिल रहा है और विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का यह सम्बोधन करना कि आपके लिए अमेरिका क्या कर रहा है यह मत पूछो, अपितु आप अमेरिका के लिए क्या कर सकते हैं यह सोचने का विषय है। ट्रंप के इस संबोधन ने हम सबको यह सोचने के लिए मजबूर कर दिया है कि क्या दुनिया निःस्वार्थ, विश्वास और एक-दूसरे के परस्पर सहयोग के बिना चल सकती है। कुछ समय के लिए ऐसा मुमकिन है किंतु अगर हम सदियों तक पृथ्वी पर जीवित रहना चाहते हैं तो इस मानसिकता के साथ यह ग्रह हमें अपने ऊपर आश्रय नहीं देगा क्योंकि यह पृथ्वी लोहे और सीमेंट के मजबूत स्तंभों पर नहीं खड़ी है अपितु पृथ्वी की संरचना मनुष्य के विश्वास, इंसानियत, सत्य, अहिंसा और पुरुषार्थ से बनी हुई है जो अभी भी धरती पर कहीं ना कहीं जीवंत है। तात्पर्य यह है कि धरती पर आज भी इंसानियत नामक धर्म फल-फूल रहा है और मनुष्य सांस ले रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो अपने हित को ही सर्वप्रथम रखते हैं वह भूल बैठे हैं कि सिर्फ मुनाफे की चाह काफी नहीं होती। महान अर्थशास्त्री एडम स्मिथ का कहना था कि किस तरह मुक्त बाजार और व्यक्तिगत उद्यम से समाज का भला हो सकता है, अगर स्वार्थ में मुनाफे की लालसा को बुनियादी मूल्यों से अलग कर दिया जाए तो वह प्रणाली निसंदेह आर्थिक विनाश की ओर ले जाएगी।

(लेखिका एसोसिएट प्रोफेसर, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन

आज की पाती

बांग्लादेश का हिंदू किसके भरोसे?

विश्व के अनेक देशों में आज युद्ध की जो स्थिति बनी हुई है, वैसा ही संकट बांग्लादेश में उत्पन्न हो रहा है। इस संकट का बीजारोपण आज नहीं, बल्कि धर्म और जिहाद की आड़ में वर्षों पहले ही रोपित हो चुका था। बांग्लादेश, जो कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भारत का घनिष्ट पड़ोसी है, वहां अल्पसंख्यक समुदाय, विशेष रूप से हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार न केवल मानवाधिकारों का हनन है, बल्कि यह क्षेत्रीय स्थिरता और भारत-बांग्लादेश संबंधों के लिए भी चुनौती बन गया है। बीते कुछ वर्षों में, बांग्लादेश में चरमपंथी ताकतों का उभार हुआ है और उनके हाथों में सत्ता की चाबी आने के बाद से स्थिति और भी विकट हो गई है। बांग्लादेश में हिंदू लंबे समय से उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं। *-जगदीश यादव, रायपुर*

करंट अफेयर

ईरान के साथ परमाणु वार्ता में 'बहुत अच्छी प्रगति'

ईरान और अमेरिका के बीच तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रमों पर शनिवार को बातचीत हुई और दोनों पक्षों ने कहा कि बातचीत 'रचनात्मकता' रही और इसमें 'बहुत अच्छी प्रगति' हुई। दोनों देशों की अगले सप्ताह अगले दौर की वार्ता करने की योजना है। एक अमेरिकी अधिकारी ने पुष्टि की कि रोम में वार्ता के दौरान कुछ वक्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आमने-सामने बात की। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर चर्चाओं में बहुत अच्छी प्रगति हुई है।' अराघची ने ईरानी सरकारी टेलीविजन को बताया, 'बातचीत रचनात्मक माहौल में हुई और मैं कह सकता हूं कि यह आगे बढ़ रही है। मुझे उम्मीद है कि तकनीकी वार्ता के बाद हम बेहतर स्थिति में होंगे।' उन्होंने ,'इस बार हमारे बीच सिद्धांतों और उद्देश्यों के बारे में बेहतर समझ बनी। ईरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर उसकी अमेरिका के साथ दूसरे दौर की वार्ता शनिवार को कई घंटों की बातचीत के बाद समाप्त हुई।

ऑफ बीट

ईस्टर अंडे और नियमित चॉकलेट के बीच अंतर

ईस्टर के मौके पर आपने सुपरमार्केट की अलमारियों में चॉकलेट ईस्टर अंडे देखे होंगे। चॉकलेट ईस्टर अंडे ईस्टर की छुट्टियों के दौरान दिए जाने वाले चॉकलेट के अंडे होते हैं, जो आमतौर पर चॉकलेट से बने होते हैं। जैसा कि हम देखते हैं कि कोई भी अंतर सामग्री के बारे में नहीं बल्कि इस बात पर अधिक निर्भर करता है कि हम चॉकलेट खाते समय उसका अनुभव कैसे करते हैं। जब हमने ईस्टर एग चॉकलेट और उसी कंपनी की नियमित चॉकलेट के अवयवों और पोषक तत्वों की तुलना की, तो हमें कोई बड़ा अंतर नहीं मिला। कैडबरी डेयरी मिल्क खोखले ईस्टर अंडे और कैडबरी डेयरी मिल्क चॉकलेट ब्लॉक दोनों में प्रति 100 ग्राम शामिल हैं। इनने लगभग 2,200 किलोजूल ऊर्जा, 7 ग्राम प्रोटीन, 31 ग्राम वसा, 55 ग्राम चीनी मिली दोनों उत्पादों में न्यूनतम 24 प्रतिशत दूध ठोस पदार्थ होते हैं। अंडे में कोको ठोस पदार्थ (28 प्रतिशत) ब्लॉक (27 प्रतिशत) की तुलना में थोड़ा अधिक होता है। तो यदि उनमें लगभग एक जैसे ही तत्व हैं, तो फिर और क्या हो रहा है? ईस्टर चॉकलेट और नियमित चॉकलेट के बीच का अंतर इस बात पर अधिक निर्भर करता है कि हम चॉकलेट के स्वाद को कैसे अनुभव करते हैं - स्वाद, बनावट और गंध के माध्यम से।

ट्रेंड

ईस्टर की शुभकामनाएं

सभी को ईस्टर की हार्दिक शुभकामनाएं। यह ईस्टर इसलिए खास है क्योंकि दुनिया भर में जयंती वर्ष को बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। यह पवित्र अवसर हर व्यक्ति में आशा, नवीनीकरण और करुणा की भावना जगाए। चारों ओर खुशियों और सद्भावना हो।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सपा की नीयत में खोट

कांग्रेस व भाजपा की तरह सपा भी अपनी नीयत व नीति में खोट के कारण कभी भी दलितों-बहुजनों की सच्ची हितैषी नहीं हो सकती है, जबकि बीएसपी 'बहुजन समाज' को शासक वर्ग बनाने को समर्पित व संघर्षरत रही है।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

नेहरू ने साहस दिया

नेहरू ने हमें राजनीति नहीं सिखाई, उन्होंने हमें डर का सामना करना और सच्चाई के लिए खड़ा होना सिखाया। उन्होंने भारतीयों को उत्पीड़न का विरोध करने और अंततः स्वतंत्रता का दावा करने का साहस दिया।

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

भाजपा का महा-भ्रष्टाचार

महाराष्ट्र में एक पुलिस ऑफिसर द्वारा ये खुलासा किया जाना कि ईवीएम में घांधली करने के लिए उसके खाते में भाजपाइयों ने 10 लाख रुपये डलवाए, भाजपा के महा-भ्रष्टाचार का महा-भंडाफोड़ है।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

पीएम को नीतियां समझाने का मिलेगा स्वर्णिम मौका

संसद में प्रधानमंत्री प्रश्नकाल शुरू करें, साल में 100 दिन सदन भी चलाया जाए

पूर्व अतिरिक्त सचिव देवेंद्र की किताब 'द इंडियन पार्लियामेंटः संविधान सदन टू संसद भवन' में सुझाव

नई दिल्ली। संसद की कार्यवाही को लेकर एक नई किताब सामने आई है। इस किताब में सुझाव दिया गया है कि संसद में बहस के प्रारूप में व्यापक बदलाव और नवाचार की जरूरत है। लोकसभा सचिवालय में पूर्व अतिरिक्त सचिव रहे देवेंद्र सिंह द्वारा लिखित किताब 'द इंडियन पार्लियामेंटः संविधान सदन टू संसद भवन' में बताया गया है कि प्रधानमंत्री के प्रश्नकाल की शुरुआत से भारतीय संसदीय इतिहास में एक नए युग की शुरुआत होगी।

इसमें कहा गया है कि सप्ताह में एक बार प्रधानमंत्री के प्रश्नकाल की शुरुआत से संसद सदस्यों को अहम मुद्दे उठाने का मौका मिलेगा और प्रधानमंत्री को सरकार की नीतियों को समझाने और आलोचनाओं का सीधे जवाब देने का मौका मिलेगा। किताब में कहा गया है, प्रधानमंत्री प्रश्नकाल की शुरुआत से विपक्ष के आरोपों पर जवाब देने और संसद की कार्यवाही को बार-बार बाधित करने की प्रवृत्ति को रोकने में बहुत मदद मिल सकती है।

बार-बार कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति रुकेगी

कार्यवाही और प्रक्रिया में बदलाव होना जरूरी

किताब में कहा गया है कि संसद की कार्यवाही के बारे में जनता के मन में निराशा और अविश्वास कुछ सदस्यों के अनुचित दिखावे और लगातार अवरोध पैदा करने और अनैतिक आचरण का परिणाम है। संसद की कार्यवाही और प्रक्रिया के प्रारूप में बदलाव करने और नवाचार करने की जरूरत है। संसद की कार्यवाही में ज्यादा से ज्यादा लोगों को शामिल करने लिए किताब में साइबर इंटरफेस की भी मांग की गई है। बहस और चर्चा के सर्वोच्च मंच के रूप में, संसद को साल में कम से कम 100 दिन मिलना चाहिए और मजबूती से काम करना चाहिए।

समस्याओं के समाधान पर होगा फेकसः नेताओं की बार-बार की जाने वाली बयानबाजी के बजाय लोगों की आकांक्षाओं को संसद में पेश करने और समस्याओं के समाधान पर फोकस करने की जरूरत है। साल में कम से कम 100 दिन संसद की कार्यवाही चलाने और जवाबदेह बनाने के लिए प्रधानमंत्री प्रश्नकाल शुरू करने का भी सुझाव दिया गया है।

विपक्ष को मिलेगा सीधा जवाब साइबर इंटरफेस भी बनाएं

प्रधानमंत्री के प्रश्नकाल की शुरुआत और इसका प्रभावी इस्तेमाल विपक्ष के आरोपों का जवाब देने, खीझे हुए लोगों को शांत करने और कार्यवाही को बार-बार बाधित करने या उसे प्रभावित करने की प्रवृत्ति को रोकने में काफी मददगार हो सकता है। पुस्तक में सुझाव दिया गया है कि संसद को अधिक सम-सामयिक स्वरूप प्रदान करने और उसे बहस एवं जवाबदेही के अधिक प्रभावी मंच के रूप में उभारने के लिए, संसद की कार्यप्रणाली और प्रक्रियाओं में नवीनता लाना जरूरी है।

खबर संक्षेप

अनुराग कश्यप अपना ज्ञान बढ़ाएंः मनोज

मुंबई। गीतकार-लेखक मनोज मुंतशिर ने अनुराग कश्यप के ब्राह्मणों पर पेशाब करने वाले

बयान पर रिएक्ट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में मनोज ने अनुराग को कड़ी चेतावनी देते हुए उन्हें अपने सीमित ज्ञान के कारण सावधानी से शब्दों का चयन करने की सलाह दी है।

2027 के उप्र चुनावों में 'इंडिया' गठबंधन रहेगा

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह वक्फ (संशोधन) कानून के जरिए माफिया की तरह जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है। यादव ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों में ₹पीडीए राज्य से भाजपा को उखाड़ फेंकेगा।₹ जब उनसे 'इंडिया' गठबंधन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दोहराया, 'इंडिया' गठबंधन (मौजूदा) है और रहेगा।

मुर्शिदाबाद हिंसा के खिलाफ भाजपा ने बंगाल सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया? जवाबदेही तय हो

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मजूमदार ने ममता सरकार पर निशाना साधा

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर सियासत जारी है। मुर्शिदाबाद हिंसा समेत अन्य मुद्दों को लेकर केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार के नेतृत्व में बालुरघाट में विरोध मार्च निकाला गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प भी हुई।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने ममता बेनर्जी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज हमारे कार्यकर्ता शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने हम पर लाठीचार्ज किया। मैं पूछना चाहता हूं कि पुलिस को किसने लाठीचार्ज करने का ऑर्डर दिया और जो भी इसका जिम्मेदार है, उसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। मुझे लगता है कि पुलिस का लाठीचार्ज प्री-प्लान था। कई कार्यकर्ताओं को चोटें भी आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हिंदुओं को अपनी रक्षा करने की जरूरत

बालुरघाट में विरोध मार्च निकाला

बंगाल में प्रेसिडेंट रूल के तहत चुनाव हों

उन्होंने कहा कि बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करना राजनीतिक विषय है, लेकिन हमने मांग की है कि जहां 50 फीसदी से कम हिंदुओं की आबादी है, वहां ये लोग वोट नहीं डालने देंगे। प्रेसिडेंट रूल के तहत चुनाव होना चाहिए, सब लोगों को वोट डालने का अधिकार मिलना चाहिए।

सनातन धर्म के लोग एक साथ रहें तो हार नहीं सकते

भाजपा नेता अर्जुन सिंह ने मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर टीएमसी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को अपनी रक्षा करने की जरूरत है। अगर हिंदुओं में एकता और जागरूकता आ जाए तो मुसलमान उनसे (हिंदुओं) कभी नहीं लड़ सकते। हिंदू एक ऐसी कम्युनिटी है, जिसने 800 वर्षों तक गुलामी झेलने के बाद भी भारत वर्ष में सनातन को जिंदा रखा है। अगर सनातन धर्म के लोग एक साथ रहें तो इस लड़ाई में कभी नहीं हार सकते।

हिंदुओं को बचाना आज समय की मांग

उन्होंने कहा कि बंगाल में बोलने से तो राष्ट्रपति शासन नहीं लगेगा, जिस तरह से मुस्लिम अत्याचार कर रहे हैं और सरकार मिलकर साथ दे रही है, उनके खिलाफ आवाज उठानी होगी, तभी राष्ट्रपति शासन लागू होगा। नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने मीडिया सेकहा कि आज हम हिंदू बचाओ रैली निकाल रहे हैं। हिंदुओं को बचाना है और ममता बनर्जी को भगाना है।

बंगाल की आग पर फारूक का केंद्र पर वार

नफरत को बताया हिंसा की वजह

जम्मू से नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर केंद्र

सरकार और प्रशासन पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि जान-बूझकर हिंदू और मुसलमानों के बीच नफरत पैदा की जा रही है, जिसकी वजह से यह नफरत अब हिंसा में बदल रही है। फारूक ने कहा कि मुर्शिदाबाद में जो हुआ वो सिर्फ नफरत का नतीजा है। वहां बुलडोजर चलाए गए। मस्जिदें गिरा दी गईं।

मुर्शिदाबाद में पिता-पुत्र की हत्या के मुख्य आरोपियों में से एक गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद जिले में एक व्यक्ति और उसके बेटे की हत्या के मुख्य आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि शमशेरगंज के जाफराबाद में दो लोगों की हत्या के मामले में यह चौथी गिरफ्तारी है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान जाफराबाद के पड़ोसी गांव सुलिताला पुरबापारा निवासी जियाउल शेख के रूप में हुई है।

वक्फ पर बनाया 'बत्ती गुल' प्लान

लगातार प्रदर्शन करेंगेः पर्सनल लॉ बोर्ड

वक्फ कानून को लेकर कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। साथ ही इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई चल रही है। अब हैदराबाद में रविवार को ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने एक महासभा आयोजित की, जिसे एआईएमआईएम का समर्थन मिला। इस महासभा में लगातार विरोध प्रदर्शन की घोषणा की गई। इस दौरान ये भी घोषणा की गई है कि 30 अप्रैल को ब्लैकआउट विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें रात 9 बजे घरों की सभी लाइटें बंद रहेंगी।

कर्नाटक जनेऊ विवाद में कॉलेज प्रिंसिपल और सहायक बर्खास्त

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक में इंजीनियरिंग और अन्य संकायों के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) के दौरान शिवमोगा में एक छात्र का 'जनेऊ' अपवित्र करने की घटना के बीच, बीदर, गडग और धारवाड़ में तीन और छात्रों को 'जनेऊ' उतारने के लिए मजबूर करने का मामला सामने आया है। कर्नाटक ब्राह्मण महासभा की तरफ से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। तीन ब्राह्मण छात्रों ने अब आरोप लगाया है कि या तो उन्हें परीक्षा हॉल में प्रवेश नहीं करने दिया गया या फिर परीक्षा से पहले ही जनेऊ उतारने के लिए उन्हें मजबूर किया गया।

जनेऊ उतरवाना निंदनीय

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने इस प्रकरण पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के दौराना कुछ छात्रों से 'जनेऊ' उतारने को कहा और एक जगह पर आरोप है कि इसे काटा गया। यह बहुत निंदनीय है।

घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण

कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. एमसी सुधाकर ने कहा कि यह घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह शिवमोगा और बीदर में हुआ। ऐसी घटनाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

रेखा ने लागू किया केंद्र जैसा मॉडल

एक मंत्री 7 विधायक, 8 लोगों की टीम गठित की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में तेजी से विकास के लिए रेखा गुप्ता सरकार ने पीएम मोदी वाला मॉडल लागू कर दिया है। केंद्र की मोदी सरकार की सांसद आदर्श ग्राम योजना की तर्ज पर दिल्ली सरकार ने भी अपने सभी मंत्रियों को 7-7 विधायकों की जिम्मेदारी सौंपी है। हर एक मंत्री के साथ 7 विधायक लगाए गए हैं।

8 लोगों की यह टीम उन 7 विदानसभा सीटों पर योजना के तहत काम करेगी। तय करेगी की डेवपमेंट की योजनाएं फाइलों में न अटके। तेजी से उसे जमीन पर उतारा जाए। हर हफ्ते इसकी मीटिंग होगी। जिन मंत्रियों को विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है, उन्होंने एक वॉट्सएप ग्रुप भी बनाया है। इस ग्रुप में सरकारी योजनाओं की जानकारी शेयर की जाती है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि जो भी फैसले सरकार ले रही है, उसकी जानकारी नीचे तक पहुंचे, ताकि लोगों तक उसे पहुंचा जा सके। इसी के माध्यम से विधायक अपनी रिपोर्ट भी देंगे, जिसे सीएम तक पहुंचाया जाएगा।

संजय राउत ने कहा कि भावनात्मक बातचीत जारी राज को उद्धव की पत्नी ने निकलवाया थाः नितेश राणे

उद्धव-राज ठाकरे साथ आएं तो खुशी होगीः फड़णवीस

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मनसे प्रमुख राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के राजनीति में साथ आने की अटकलों के बीच पार्टी के नेता संजय राउत ने कहा कि अब तक गठबंधन नहीं हुआ है। अभी 'भावनात्मक बातचीत जारी है। इससे पहले उन्होंने एक शर्त रखी थी। कहा था कि राज साहब को उद्धव के साथ आने के लिए अपने घर में दुश्मनों को रखना बंद करना होगा। हालांकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने कहा कि अगर राज और उद्धव साथ आते हैं तो हमें खुशी होगी। मतभेद मिटाना अच्छी बात है। इस बीच भाजपा नेता नितेश राणे ने रविवार को चौंकाने वाला बयान दिया। शिवसेना (उबाठा) के सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बीच गठबंधन की कोई घोषणा नहीं हुई है, लेकिन उन्होंने दावा किया कि दोनों के बीच "भावनात्मक बातचीत" जारी है। राउत ने पकहा कि शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मनसे के अध्यक्ष और अपने चचेरे भाई राज ठाकरे के साथ सुलह के लिए कोई पूर्व शर्त नहीं रखी है। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि वे (राज और उद्धव) पारिवारिक कार्यक्रमों में मिलते हैं। वे भाई हैं। राज ने साक्षात्कार में कहा कि उन्हें अविभाजित शिवसेना में उद्धव के साथ काम करने में कोई समस्या नहीं थी।

कानून मंत्रालय ने कहा

केंद्र से जुड़े मुकदमों को कम करने के लिए खास कदम उठाए गए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कानून मंत्रालय ने कहा है कि जनहित में लिए गए फैसलों को अगर ठीक से लागू नहीं किया जाए, तो इससे लोगों को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ सकता है। इससे केंद्र सरकार पर कानूनी बोझ बढ़ता है। मंत्रालय ने सरकार से जुड़े मुकदमों की संख्या को कम करने के लिए खास कदम उठाए हैं। अदालतों में करीब सात लाख मामलों में केंद्र सरकार एक पक्ष है। अकेले वित्त मंत्रालय ही लगभग 1.9 लाख मामलों में पक्षकार है। ये

जानकारी कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने फरवरी महीने में राज्यसभा में दी थी। कानून मंत्रालय के अनुसार अस्पष्ट आदेश लोगों को परेशान करते हैं। इससे या तो लाभार्थियों को लाभ नहीं मिलता। इसके साथ ही कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा।

खरगे ने बक्सर में 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' रैली को संबोधित किया

नीतीश कभी हमारी तरफ आकर बैठ जाते हैं तो कुर्सी के लिए वे मोदी के साथ हो जाते

एजेंसी ▶▶ बक्सर

■ भाजपा,जेडीयू पर साधा निशाना

बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होंगे। रविवार को कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार के बक्सर के दलसागर स्टेडियम में 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' रैली में उन्होंने नीतीश कुमार और भाजपा के गठबंधन को मौकापरस्त बताया। कुर्सी के लिए नीतीश कभी कांग्रेस की गोद में आते हैं तो कभी भाजपा में जाते हैं।

एनडीए सरकार इस बार जानी चाहिए

खरगे ने कहा कि नीतीश सिर्फ कुर्शी के लिए बार-बार पाला बदलते हैं। नीतीश ने उससे गठबंधन किया, जिसने महात्मा गांधी की हत्या की थी। पीएम मोदी झूठ की फैक्ट्री चला रहे हैं। बिहार में एनडीए सरकार इस बार जानी चाहिए।

गांधी परिवार किसी के सामने नहीं झुकेगा

खरगे ने कहा कि भाजपा हमें दुश्मन मानते हैं। उसने राहुल, सोनिया और रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ जांच शुरू की है, यह हमें खत्म करने के लिए है। गांधी परिवार किसी के सामने झुकने वाला नहीं है।

लोगों से ज्यादा खाली कुर्सी दिखीं : खरगे की बिहार में भारी फजीहत हुई। सभा में लोगों से ज्यादा खाली कुर्सी दिखाई दी। जनसभा से भीड़ पूरी तरह से गायब थी। खरगे सभा को संबोधित कर रहे थे और कुर्सियां खाली पड़ी हुई थीं।

2 हाईकोर्ट में सुनवाई- एक ने कार्यवाही पर उठाए सवाल तो दूसरे ने की अहम टिप्पणी

सिडको को फटकारा, महाराष्ट्र में कानून का शासन है या बाहुबल का

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने नवी मुंबई में एक प्लॉट पर अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहने पर सरकार की नगर नियोजन एजेंसी सिडको को फटकार लगाई है। कोर्ट ने इस दौरान पूछा कि राज्य में कानून का शासन है या बाहुबल का। जस्टिस एएस गडकरी और जस्टिस कमल की बेंच ने इस महीने की शुरुआत में पारित आदेश में कहा कि नगर और औद्योगिक विकास निगम (सिडको) के अधिकारी अवैध निर्माण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं करना चाहते। सिडको ने अदालत को बताया कि जब उन्होंने अवैध ढांचों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने की कोशिश की तो बोकाडवीरा गांव के सरपंच ने उन्हें धमकी दी।

जस्टिस गडकरी और जस्टिस कमल की बेंच ने कहा- कड़ी कार्रवाई की जाए

कानून का राज स्थापित करना जरूरी

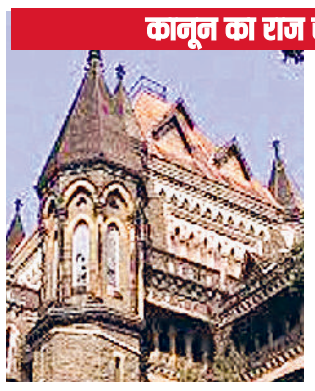

बेंच ने कहा कि अधिकारी कर्तव्यों का निर्वहन करते समय पर्याप्त पुलिस सुरक्षा पाने के हकदार हैं और अवैधताओं को रोकना और कानून का शासन स्थापित करना प्राधिकारियों का कर्तव्य है। हाईकोर्ट ने कहा कि हम यह समझने में असफल हैं कि क्या हम ऐसे राज्य में रहते हैं जहां कानून का शासन है या बाहुबल का शासन है। कोर्ट ने कहा कि बोकाडवीरा गांव के सरपंच की ओर से दी गई धमकियों को लोकतांत्रिक देश में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि सिडको अधिकारी अपने वैध कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं।

कर्नाटक हाई कोर्ट के जज दीक्षित ने तारीख मांगने पर कहा

हिमालय भी भेजा गया तो मैं वहां भी जाऊंगा

बेंगलुरू। कर्नाटक हाई कोर्ट के जज कृष्ण दीक्षित ने 17 अप्रैल को एक मामले की सुनवाई करते हुए अपने ट्रांसफर की अफवाह पर

टिप्पणी की। दीक्षित ने यह टिप्पणी तब की, जब उनके समक्ष वकील ने एक मामले में तारीख मांगी, तो उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि अगले सप्ताह दोनों पक्षों को एक अच्छी बेंच मिल सकती है। उन्होंने इशारा किया कि हाई कोर्ट से उनके आसन्न स्थानांतरण के कारण मामला जल्द ही किसी अन्य बेंच के समक्ष सूचीबद्ध हो सकता है।

हम कहीं भी काम करने को तैयार : जज दीक्षित ने मुस्कराते हुए कहा कि अगले हफ्ते वैसे भी आपको एक अच्छी बेंच भी मिल सकती है। वे कहीं भी काम करने के लिए तैयार हैं। जब कोई सैनिक कहीं तैनात होता है, तो उसका कर्तव्य है कि वह वहां जाए। अगर हिमालय में हाईकोर्ट की बेंच स्थापित की जाती है, तो मैं वहां भी जाऊंगा।

ये शब्द न बोलें अधिवक्ता

वरिष्ठ अधिवक्ता पीएस राजगोपाल ने कहा कि मैं न्यायाधीश से अनुरोध करता हूं कि वे ये शब्द न बोलें। मैं बाहर कह रहा था, अगर हम विरोध करना नहीं सीखेंगे, तो हम नष्ट हो जाएंगे। न्यायमूर्ति रामचंद्र डी हुद्दार के साथ खंडपीठ में बैठे न्यायमूर्ति दीक्षित ने हंसते हुए कहा कि हम ऐसा नहीं करेंगे।

अलीगढ़ में भागवत का आह्वान

एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान भूमि के आदर्श अपनाएं

भाषा ▶▶ अलीगढ़ (उप्र)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने ''एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान भूमि'' के आदर्शों को अपनाकर सामाजिक सद्भाव के लिए प्रयास करने का आह्वान किया है। संघ प्रमुख अलीगढ़ के पांच दिवसीय दौरे पर हैं। भागवत ने एच.बी. इंटर कॉलेज और सासनी गेट इलाके में पंचन नगरी पार्क में आयोजित दो शाखाओं में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए हिंदू समाज के सदस्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का

आह्वान किया है, जिसे केवल ₹समरसता₹ के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने इसके लिए सामाजिक सद्भाव पर जोर दिया। आरएसएस सूत्रों के अनुसार भागवत ने हिंदू समाज की आधारशिला के रूप में ₹संस्कार₹ के महत्व को रेखांकित किया और सदस्यों से परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों और नैतिक सिद्धांतों पर आधारित समाज बनाने का आग्रह किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25

15 दिन में दूसरी बार डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ पूरे अमेरिका में प्रदर्शन

हजारों लोगों ने राष्ट्रपति आवास को घेरा, पोस्टर में लिखा- 'महाभियोग लाओ... ट्रंप को हटाओ'

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में प्रदर्शनकारी ट्रंप की नीतियों का विरोध करने में जुटे। सड़क पर उतरे लोगों ने ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया। ये प्रदर्शन सभी 50 राज्यों में हुए। प्रदर्शनकारी ट्रंप की टैरिफ वॉर की नीतियों, सरकारी नौकरियों में छंटनी का विरोध कर रहे हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास व्हाइट हाउस का घेराव किया

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जनता का गुस्सा बढ़ता ही जा रहा है। राष्ट्रव्यापी आंदोलन के दो हफ्ते बाद पूरे अमेरिका में दोबारा शनिवार को हजारों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी ट्रंप की नीतियों का विरोध करने में जुटे हैं। सड़क पर उतरे लोगों ने ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया। ये प्रदर्शन सभी 50 राज्यों में हुए। प्रदर्शनकारी ट्रंप की टैरिफ वॉर की नीतियों, सरकारी नौकरियों में छंटनी का विरोध कर रहे हैं।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास व्हाइट हाउस का घेराव किया। लोगों ने ट्रंप पर नागरिक और कानून के शासन को कुचलने का आरोप लगाया।

इस आंदोलन को 50501 नाम दिया गया है, जिसका मतलब '50 विरोध प्रदर्शन, 50 राज्य, 1 आंदोलन' है। प्रदर्शनकारियों ने व्हाइट हाउस के अलावा टेस्ला के शोरूम का भी घेराव किया। ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शनों का यह दूसरा दौर है। इससे पहले 5 अप्रैल को ट्रंप के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हुए थे।

- 50501 यानी 50 विरोध प्रदर्शन, 50 राज्य, 1 आंदोलन
- 5 अप्रैल को भी ट्रंप के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हुए थे
- ट्रंप और मस्क की नीतियों के खिलाफ किए गए हैं प्रदर्शन

'कोई राजा नहीं... अत्याचार का विरोध करें'

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे ट्रंप के नागरिक अधिकारों और संवैधानिक उल्लंघनों के खिलाफ हैं। न्यूयॉर्क में हाथों में तख्तियां लेकर लोगों की भीड़ मुख्य पुस्तकालय के बाहर जुटी। इन तख्तियों में अमेरिका में 'कोई राजा नहीं' और 'अत्याचार का विरोध करें' जैसे नारे लिखे थे।

ट्रंप के काम से खुश हैं 45% वोटर्स

अमेरिकी सर्वे एजेंसी गैलप के मुताबिक 45% अमेरिकी वोटर्स ट्रंप के पहले 3 महीने के कामकाज से खुश हैं, जबकि ट्रंप के पहले कार्यकाल के शुरुआती 3 महीनों में 41% वोटर्स ही उनके कामकाज से संतुष्ट थे। हालांकि यह बाकी राष्ट्रपतियों की तुलना में बेहद कम है।

झंडा उलटा कर बताया देश संकट में

डेनवर में सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी कोलोराडो राज्य कैपिटल में जुटे। उन्होंने आप्रवासियों के साथ एकजुटता व्यक्त की। लोगों ने बैनरों पर लिख रखा था कि 'हाथ मत लगाओ।' कुछ लोगों ने अमेरिका का झंडा फहराया तो कुछ ने उसे उल्टा कर दिया, ताकि यह बताया जा सके कि देश में संकट का समय चल रहा है। व्हाइट हाउस के बाहर ट्रंप के खिलाफ पोस्टर लेकर विरोध करती एक महिला ने पोस्टर पर लिखा- ट्रंप को अल सल्वाडोर जेल में डिपोर्ट कर दिया जाए।

सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

राजधानी वॉशिंगटन डीसी समेत सभी राज्यों में प्रदर्शन की बड़ी वजह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कारोबारी इलॉन मस्क की आक्रामक नीतियां हैं। इलॉन मस्क का दक्षता विभाग लगातार सरकारी विभागों में छंटनी कर रहा है। अब तक हजारों सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा चुका है। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप की अप्रवासियों पर कार्रवाई और दूसरे देशों पर टैरिफ लगाने की सख्त पॉलिसी भी इन प्रदर्शनों की एक बड़ी वजह है।

इंटरपोल से गिरफ्तारी के लिए हसीना के खिलाफ रेड-कॉर्नर नोटिस मांगा

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश पुलिस ने इंटरपोल से पूर्व पीएम शेख हसीना के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की मांग की है। हसीना के अलावा 11 अन्य लोगों के खिलाफ भी ऐसी ही मांग की गई है। शेख हसीना पिछले साल अगस्त में हुए तख्तापलट के बाद से भारत में रह रही हैं। बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने शेख हसीना, उनके पूर्व मंत्रियों, सलाहकारों और अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इन पर भ्रष्टाचार, मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार के आरोप लगाए थे। इंटरपोल का रेड नोटिस किसी व्यक्ति को ढूंढने और उसे प्रत्यर्पण या कानूनी कार्रवाई से पहले अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने में मदद करता है। शेख हसीना ने 8 अप्रैल को सोशल मीडिया पर बात करते हुए कहा था कि पहले बांग्लादेश को विकास के मॉडल के तौर पर देखा जाता था, लेकिन अब ये आतंकी देश बन गया है। हमारे नेता और कार्यकर्ताओं को जिस तरीके से मारा जा रहा है, उसे बताया भी नहीं जा सकता है। अवामी लीग, पुलिस, वकील, पत्रकार, कलाकार सभी को मारा जा रहा है।

पाकिस्तान की कायराना करतूत

कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार देने से किया साफ मना

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने एक बार फिर नापाक चाल चली है और भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार देने से मना कर दिया है। यह जानकारी पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने 17 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान दी। दरअसल, पाक सुप्रीम कोर्ट में इमरान खान के समर्थकों की गिरफ्तारी से जुड़े मामले में सुनवाई चल रही थी।

इस दौरान कोर्ट ने वकील से पूछा कि क्या कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार मिला था और अगर मिला था तो पाकिस्तान के नागरिकों को यह अधिकार क्यों नहीं?इस पर रक्षा मंत्रालय के वकील ने कहा कि जाधव को अपील का कोई अधिकार नहीं मिला था। जाधव 2016 से पाकिस्तान की जेल में बंद हैं। पाकिस्तान ने उन पर जासूसी करने का आरोप लगाया है।

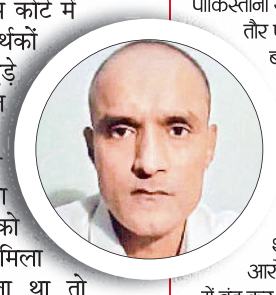

जाधव पर जासूसी का आरोप

कुलभूषण जाधव एक सेवानिवृत्त नौसेना अधिकारी हैं, जो सेवानिवृत्ति के बाद ईरान के चाबहार में व्यवसाय कर रहे थे। 3 मार्च 2016 में पाकिस्तानी सेना ने कथित तौर पर जाधव को बलूचिस्तान प्रांत से अगवा किया था। बाद में उन पर जासूसी और देशविरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाकर जेल में बंद कर दिया। एक साल बाद यानी 2017 में पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने जासूसी के आरोप में कुलभूषण जाधव को मौत की सजा सुना दी। भारत ने इस फैसले का कड़ा विरोध किया और इसके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्याय न्यायालय में अपील की।

आरोपों को खारिज कर चुका भारत

पाकिस्तान ने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें जाधव ने कथित तौर पर स्वीकार किया था कि वह भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के लिए काम कर रहे थे और बलूचिस्तान और कराची में अस्थिरता फैलाने में शामिल थे। हालांकि, भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा था कि ये जबरन लिया गया बयान है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों ने जाधव को ईरान से अगवा किया। जाधव रिटायरमेंट के बाद ईरान में बिजनेस कर रहे थे।

एलॉन मस्क की भारत यात्राः निवेश व रोजगार के खुल सकते हैं नए दरवाजे

नई दिल्ली (ब्यूरो)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के खास सलाहकारों में एक टेस्ला, स्पेसएक्स, स्टारलिंक, और एक्स जैसे वैश्विक टेक्नोलॉजी दिग्गज के मालिक एलॉन मस्क के इस साल के अंत तक भारत दौरे की घोषणा से अब माना जा रहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था, टेक्नोलॉजी क्षेत्र, और वैश्विक स्थिति के लिए कई संभावनाएं खुल सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका में मुलाकात के बाद मस्क पहली बार भारत आएंगे। मस्क का संभावित दौरा न केवल टेस्ला की भारत में एंट्री को लेकर महत्वपूर्ण है, बल्कि स्टारलिंक, स्पेसएक्स, और अन्य नवाचारों के माध्यम से भारत के तकनीकी और आर्थिक परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखता है। **टेस्ला की भारत में एंट्रीः** मस्क के दौरे के दौरान टेस्ला के भारत में विनिर्माण संयंत्र की स्थापना की घोषणा होने की संभावना है। टेस्ला ने पहले ही दिल्ली और मुंबई में शोरूम के लिए स्थान तलाशना शुरू कर दिया है, और बर्लिन कारखाने से राइट-हैंड ड्राइव कारों को भारत में निर्यात करने की योजना बनाई है।

हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर नेपाल में प्रदर्शन

काठमांडू। नेपाल की राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रविवार को पीएम के आधिकारिक आवास और संसद भवन के पास एक विरोध रैली निकाली। इसमें राजशाही को बहाल करने और नेपाल को हिंदू राज्य के रूप में स्थापित करने की मांग की गई। बिजुलीबाजार-बानेश्वर इलाके में एकत्र हुए लगभग 1,500 प्रदर्शनकारियों ने गणतंत्र प्रणाली मुर्दाबाद, हमें राजशाही वापस चाहिए के नारे लगाए, भ्रष्ट सरकार मुर्दाबाद, नेपाल को हिंदू राष्ट्र के रूप में स्थापित करो जैसे नारे लगाए।

ईडी की कार्रवाईः सोनिया, राहुल पर आक्रामक कांग्रेस रॉबर्ट वाड्रा पर खामोशी, रणनीतिक चाल

नई दिल्ली (ब्यूरो)। कांग्रेस पार्टी की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाइयों के प्रति प्रतिक्रिया में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के मामले में आक्रामक रुख को देशभर में देखने को मिल रहा है लेकिन रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ कार्रवाई पर पार्टी पूरी तरह से मौन है। एक रणनीतिक चुप्पी साधी पार्टी के नेताओं का मानना है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेता हैं। हेराल्ड मामले में ईडी की चार्जशीट को कांग्रेस ने राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में 'पालिटकली इनकैश' करने की कोशिश की जा रही है वो रॉबर्ट वाड्रा का मामला भी मिक्स करने से समूचे मुद्दे को भाजपा द्वारा भटकाया जा सकता है। यही वजह है कि रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ के समय भी केवल उनकी पत्नी एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी ही उपस्थित रहीं। एक नेता भी उनके आसपास नहीं दिखा। जब कि ईडी द्वारा 9 अप्रैल 2025 को सोनिया और राहुल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने के बाद, कांग्रेस ने देशभर में प्रदर्शन किए, जिसमें दिल्ली, इंदौर, लखनऊ, और चंडीगढ़ जैसे शहरों में कार्यकर्ताओं ने ईडी कार्यालयों का घेराव किया। पार्टी ने इसे लोकतंत्र पर हमला और केंद्र की साजिश के रूप में प्रचारित किया, जिससे कार्यकर्ताओं को एकजुट करने और जनता में सहानुभूति जुटाने की कोशिश की गई।

अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की परमाणु वार्ता खत्म

दोनों देश बोले- बैठक सार्थक रही इस हफ्ते तीसरे दौर की होगी वार्ता

एजेंसी ▶▶ रोम

अमेरिका और ईरान के बीच शनिवार को इटली की राजधानी रोम में परमाणु समझौते पर दूसरे दौर की वार्ता कई घंटो की बातचीत के बाद खत्म हो गई। इस वार्ता में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची शामिल हुए। दोनों के बीच समझौते पर वार्ता का यह दूसरा चरण था। दोनों पक्षों ने कहा कि

बातचीत 'रचनात्मकता' रही और इसमें 'बहुत अच्छी प्रगति' हुई। अब आगामी शनिवार को बातचीत का तीसरा चरण शुरू होगा। इससे पहले बुधवार को दोनों पक्ष तकनीकी मुद्दों पर बात करेंगे। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने वार्ता के तुरंत बाद बताया कि ईरान अपने देश पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों को हटवाने के लिए गंभीरता के साथ वार्ता जारी रखेगा। एक अमेरिकी अधिकारी ने पुष्टि की कि रोम में वार्ता के दौरान कुछ वक्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आमने-सामने बात की।